

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय पुस्तक मेले की तैयारियां शुरू, 26 दिसंबर से 4 जनवरी तक सजेगी अक्षरों की दुनिया

रांची। झारखंड की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक नगरी रांची के जिला स्कूल मैदान में आयोजित होने वाले 10 दिवसीय राष्ट्रीय पुस्तक मेला की तैयारियां रविवार को भूमि पूजन के साथ जोर-शोर से शुरू हो गई। भूमि पूजन कार्यक्रम में समय इंडिया के प्रबंध न्यासी चन्द्र भूषण के अलावा मंडप निर्माण से जुड़ी संस्था के कर्मचारी व प्रतिनिधि तथा स्थानीय लेखक और संस्कृतिकर्मी उपस्थित रहे। यह पुस्तक मेला 26 दिसंबर से 4 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा, जहां अक्षरों की दुनिया सजेगी। मेले में एक ही छत के नीचे हर आयु वर्ग के पाठकों के लिए हिन्दी और अंग्रेजी पुस्तकों की व्यापक श्रृंखला उपलब्ध रहेगी। समय इंडिया, नई दिल्ली पुस्तकों को पाठकों से जोड़ने की मुहिम के तहत यह राष्ट्रीय पुस्तक मेला लेकर आया है। पाठकों के लिए मेला प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से रात्रि 7.30 बजे तक खुला रहेगा। यह जानकारी समय इंडिया के प्रबंध न्यासी चन्द्र भूषण ने दी। चन्द्र भूषण ने बताया कि इस पुस्तक मेले को लेकर प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं में विशेष उत्साह है। वे अपने साथ नई और पुरानी पुस्तकों का समृद्ध संग्रह लेकर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तकें न केवल ज्ञान देती हैं, बल्कि पाठकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाती हैं, जहां संवेदनशीलता और मानवीय मूल्य विकसित होते हैं। राष्ट्रीय पुस्तक मेले का उद्देश्य समाज में पुस्तकों के प्रति बढ़ती उदासीनता को दूर करना और पाठकों को फिर से किताबों के करीब लाना है। पुस्तक मेले में जिन प्रमुख प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं की सहभागिता सुनिश्चित हो चुकी है, उनमें राजपाल एण्ड संस, प्रकाशन संस्थान, समय प्रकाशन, यश प्रकाशन, योगदा सत्संग सोसायटी ऑफ इंडिया, क्राउन पब्लिकेशन, झारखंड झरोखा, गीता प्रेस, श्री कबीर ज्ञान प्रकाशन केन्द्र, बोधकृति प्रकाशन, त्रिदेव बुक कलेक्शन, सस्ता साहित्य मंडल, उपकार प्रकाशन सहित कई प्रतिष्ठित नाम शामिल हैं। इसके अतिरिक्त वाणी प्रकाशन, राजकमल प्रकाशन, राधाकृष्ण प्रकाशन, पुस्तक महल, मनोज पब्लिकेशन और किताब घर की पुस्तकें भी पाठकों के लिए उपलब्ध रहेंगी। मेले में एक विशेष भारतीय मंडप भी तैयार किया जा रहा है, जो पाठकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र होगा। यहां विभिन्न प्रकाशकों की बेस्ट सेलर सीरीज की पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। चन्द्र भूषण ने बताया कि मेले के दौरान स्कूली बच्चों के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें कविता-कहानी पाठ, चित्रकला, गायन, नृत्य, देशभक्ति गीत तथा फैसी ड्रेस प्रतियोगिता प्रमुख हैं। बच्चों के लिए आयोजित ये सभी प्रतियोगिताएं निःशुल्क होंगी। इसके साथ ही पुस्तक प्रेमियों को कवियों और कवयित्रियों की रचनाओं को नजदीक से सुनने का अवसर मिलेगा। मेले के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी दर्शकों का मनोरंजन करेंगे।

तीन दिवसीय रोटरी डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस समागम : रक्षा मंत्री संजय सेठ रोटरी को देंगे छह करोड़ की चार मेडिकल वैन

भारत का पहला फैटी लिवर मुक्त शहर बनेगी रांची : संजय सेठ

अगले माह महिलाओं को बांटी जाएगी तीन करोड़ की सिलाई मशीन नव प्रदेश संवाददाता

रांची। रोटरी क्लब रांची के तत्वावधान में रांची क्लब परिसर में चल रहे तीन दिवसीय रोटरी डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस समागम का समापन रविवार को हुआ। अंतिम दिन कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रेसिडेंट इलेक्ट ललित त्रिपाठी ने की। उन्होंने अपने संबोधन में दूसरे दिन के सत्र की समीक्षा करते हुए रोटरी द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की प्रगति और भावी योजनाओं पर चर्चा की। कहा कि रोटरी समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। अंतिम दिन कार्यक्रम के मुख्य वक्ता केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रांची को भारत का पहला फैटी लिवर मुक्त शहर बनाने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। इसी अभियान के तहत फैटी लिवर



की जांच और जागरूकता के लिए छह करोड़ रुपये की लागत से चार अत्याधुनिक मोबाइल वैन रोटरी को शौध दीं। ये वैन रांची शहर के विभिन्न इलाकों के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों की स्क्रीनिंग करेगी। उन्होंने कहा कि बीमारी से लड़ने का सबसे प्रभावी तरीका है उसकी समय पर पहचान। यह अभियान केवल इलाज का नहीं, बल्कि जन-

महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में मदद मिलेगी। वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं मजबूत होती हैं, तो परिवार और समाज दोनों सशक्त होते हैं। सत्र के तीसरे दिन रविवार को कार्डसिल ऑफ लेजिस्लेशन के चुनाव में सत्र 2026-29 पीडीजी जोगेश गंभोर एवं सत्र 2028 - 29 के गवर्नर डॉ अजय कुमार इलेक्ट हुए। चुनाव प्रक्रिया इलेक्शन ऑब्जर्वर पीडीजी दीपक कुमार, चेयरमैन पीडीजी राकेश प्रसाद, पीडीजी शिवप्रकाश बागड़िया, बैलेटिंग कमेटी चेयरमैन पीडीजी डॉ. बिंदु सिंह की देखरेख में संपन्न हुआ। पूरे चुनावी प्रक्रिया का संचालन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नम्रता की देखरेख में हुआ। कार्यक्रम का संचालन शाहिद पॉल एवं अजय छाबड़ा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोटरी सदस्य, पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

द क्रिएटिव कॉर्नर में डांस का बॉस प्रतियोगिता और क्रिसमस समारोह आयोजित



रांची। डेला टोली, कोकर स्थित द क्रिएटिव कॉर्नर की ओर से रविवार को एक दो-भागीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत पहले डांस का बॉस नृत्य प्रतियोगिता उसके बाद क्रिसमस समारोह आयोजित किया गया इसने पूरे वातावरण को उत्साह और उत्सव की भावना से भर दिया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में जूनियर और सीनियर वर्ग के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपने भाव-भंगिमा और ऊर्जावान प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सीनियर वर्ग में लकी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि श्रीजीत पाल उपविजेता रहे। जूनियर वर्ग में अश्विन कुजूर ने प्रथम पुरस्कार जीता, स्मृति कुजूर प्रथम उपविजेता एवं त्रिशा डे द्वितीय उपविजेता रही। निर्णायक मंडल के रूप में मयंक बिम्बी और रूमझुम मुखर्जी ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उनकी मेहनत और रचनात्मकता की प्रशंसा की। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में क्रिसमस समारोह आयोजित किया गया, जिसमें रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियां, क्रिसमस कैरोल, तथा प्रकाश और छाया प्रभाव के साथ यीशु के जन्म पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण से किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर 28 दिसंबर को घर-घर फहराया जाएगा पार्टी का झंडा



रांची। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस आगामी 28 दिसंबर को पूरे देश में मनाया जाएगा। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी निर्णय लिया है कि प्रदेश के जिला, प्रखंड, मंडल, ग्राम पंचायत एवं वार्ड कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता अपने-अपने आवासों पर कांग्रेस का झंडा फहराएंगे। इसी क्रम में रविवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कफि विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बुड़मू प्रखंड के ठाकुरगांव में पंचायत अध्यक्षों के बीच कांग्रेस के झंडों का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस का स्थापना दिवस संगठनात्मक एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति संकल्प के रूप में मनाया जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान बुड़मू पंचायत अध्यक्ष चंदन तिवारी, छाप पंचायत अध्यक्ष प्रभु यादव, हेसलपेरी पंचायत अध्यक्ष ललित महतो एवं गुरुमाई पंचायत अध्यक्ष तबारक हुसैन को 12-12 कांग्रेस के झंडे सौंप गए। इस अवसर पर सकील अख्तर अंसारी, गोपाल तिवारी तथा प्रखंड अध्यक्ष बलराम साहू सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

हिंदी साहित्य भारती झारखंड प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में जिला विस्तार व कोष संग्रह पर चर्चा



रांची। हिंदी भाषा, साहित्य और संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से हिंदी साहित्य भारती, झारखंड प्रदेश कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को सर्कुलर रोड, लालपुर स्थित होटल सिटी पैलेस में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से जिला कमेटी का विस्तार और कोष संग्रहण पर चर्चा हुई। बैठक की शुरुआत नवगठित प्रदेश इकाई की औपचारिक घोषणा और पदाधिकारियों के परिचय से हुई। इस दौरान संगठन की आगामी कार्ययोजना, संरचना और विस्तार पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में कोष संग्रह के लिए पारदर्शी और व्यावहारिक उपायों पर सहमति बनी और जिला स्तर पर संगठन विस्तार की कार्ययोजना तय की गई। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण पर जोर देते हुए कहा कि नियमित बैठकें, सक्रिय जिला इकाइयां और अनुशासित कार्यप्रणाली संगठन की मजबूती का आधार हैं। मुख्य अतिथि रामनिवास शुक्ल ने कहा कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकता का आधार है। उन्होंने संगठन को गांव-गांव और जिले-जिले तक सक्रिय करने पर जोर दिया। प्रदेश प्रभारी डॉ. अरुण कुमार सज्जन सहित अन्य सदस्यों ने भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राष्ट्रीय महामंत्री रामनिवास शुक्ल, प्रदेश महामंत्री डॉ. सुनीता कुमारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रांची में ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुम हुए 50 मोबाइल बरामद



रांची। रांची पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत जगरनाथपुर थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से गुम हुए करीब 50 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। तकनीकी विशेषण के माध्यम से मोबाइल की लोकेशन की जानकारी प्राप्त कर पुलिस ने कार्रवाई की और रविवार को थाना परिसर में आयोजित मोबाइल वितरण समारोह के दौरान उनके असली धारकों को मोबाइल सौंपे। इस अवसर पर नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा, जगरनाथपुर थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर दिक्कतय सिंह सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे। सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि थाना क्षेत्र से

अलग-अलग समय पर गुम हुए लगभग 50 मोबाइल फोन को पुलिस ने सफलतापूर्वक बरामद किया है। ऑपरेशन मुस्कान के तहत चलाए गए इस अभियान में तकनीकी जांच और लोकेशन ट्रैकिंग के आधार पर पुलिस को अलग-अलग टोमों को मोबाइल बरामदगी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने बताया कि पूरी जांच-पड़ताल, आवश्यक कागजातों की गुंथ और तकनीकी सत्यापन के बाद 25 लोगों को उनके गुम हुए मोबाइल फोन लौटा दिए गए हैं। शेष मोबाइल के सत्यापन की प्रक्रिया जारी है और जल्द ही उन्हें भी उनके वास्तविक धारकों को सौंप दिया जाएगा।



विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कक्षा शिक्षण में कहानियों के व्यावहारिक उपयोग से जुड़े कई उपयोगी उदाहरण भी प्रस्तुत किए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा के कुल 60 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नई शिक्षण तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। शिक्षकों ने सत्र को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया। समापन अवसर पर वेन््यू

झारखंड राज्य सीनियर सुपर स्पीड खो-खो खुली चयन प्रतियोगिता

रांची। राजधानी रांची के धुर्वा स्थित सेक्टर-2 के बंगीय सांस्कृतिक परिषद उच्च विद्यालय में रविवार को झारखंड राज्य स्तरीय सुपर स्पीड खो-खो खुली बालक-बालिका चयन प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई। प्रतियोगिता में रांची, धनबाद, लातेहार, गढ़वा, सिमडेगा, रामगढ़, हजारीबाग, चतरा और लोहरदगा सहित राज्य के विभिन्न जिलों से लगभग 90 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में टाटा डीएवी चैनपुर, रामगढ़ की बालक टीम की ओर से वतन कुमार, रंजीत कुमार, आयन प्रसाद, अक्षत कुमार, मोहम्मद अर्ष, राजवीर कुमार, लखराज, सौरभ कुमार और आशिष कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित



किया। खुली चयन प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि धुर्वा सेक्टर-2 स्थित बीएसपी विद्यालय के सचिव सजल बनर्जी, विशिष्ट अतिथि कार्तिक उरांव तथा सुपर स्पीड प्रशिक्षण केंद्र, बाल विकास आवासीय विद्यालय रातू के अध्यक्ष रंजीत तिवारी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका

उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर डीएवी टाटा चैनपुर, रामगढ़ के प्राचार्य तारकेश्वर कुमार ने भी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। चयन प्रक्रिया में रिया सिंह, सन्नी कुमार, अभिषेक उरांव, शिवम नावक, प्रीति प्रजापति एवं सोनाली होरो ने निर्णायक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूरी प्रतियोगिता का संचालन झारखंड राज्य सुपर स्पीड खो-खो संघ के अध्यक्ष डॉ. अजय झा ने किया। उन्होंने बताया कि चर्चनित झारखंड बालकझबालिका खो-खो टीम का प्रशिक्षण शिविर 26 दिसंबर से 5 जनवरी 2026 तक बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय

में आयोजित किया जाएगा। डॉ. झा ने जानकारी दी कि चर्चनित झारखंड सीनियर बालक-बालिका खो-खो टीम 9 से 11 जनवरी तक गुरुग्राम (हरियाणा) में आयोजित सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेगी। टीम 7 जनवरी को हटिया रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेगी।

गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा की प्रभात फेरी कृष्णा नगर कॉलोनी रातू रोड से निकलकर चांदनी चौक कांके रोड गयी

सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज तुड़ाऊं, तबै गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं...

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाशोत्सव को लेकर गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा की प्रभात फेरी का आज सातवां दिन था. 21 दिसंबर रविवार को आज प्रभात फेरी सुबह 6 बजे गुरुद्वारा से निकल कर मेट्रो गली चौक पहुंची. यहां से श्रद्धालु सत्संग सभा द्वारा श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध कराई गई बस से कांके रोड स्थित बाला जी प्लाजो अपार्टमेंट पहुंचे, जहां अंचल किंगर, अजय धमीजा, और नवीन धमीजा के परिवार के सदस्यों ने प्रभात फेरी का श्रद्धा भाव एवं गर्मजोशी से स्वागत किया। यहां से प्रभात फेरी बस द्वारा चांदनी चौक, कांके रोड स्थित रश्मि-रथी अपार्टमेंट अमरजीत गिरधर के फ्लैट गई, जहां प्रभातफेरी का पुष्प वर्षा से स्वागत हुआ। शबद गायन और मीना गिरधर द्वारा अरदास के साथ प्रभात



फेरी सुबह 9:30 बजे यहीं समाप्त हो गई।मौके पर गिरधर परिवार के द्वारा साध संगत के लिए चाय नाश्ते का लंगर चलाया गया। बबली दुआ, ज्योति धमीजा, मीना गिरधर, बिमला मुंजाल, शीतल मुंजाल, गीता कटारिया, नीता मिट्ठा, इंद्रु पपनेजा, मनजीत कौर, रेशमा गिरधर,ममता थरेजा और सुरजीत मुंजाल ने "इन पुत्रन के सीस पर

वार दिए सुत चार, चार मुए तो क्या भया जीवित कई हजार... एवं सुरा सो पहचानिये जो लड़े दिन के हेत, पुरजा पुरजा काट मोरे कबहूँ ना छाढ़े खेत... तथा सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज तुड़ाऊं तबै गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं... जैसे कई शब्द गायन कर वातावरण को गोविंद मय कर दिया।



श्री निशान साहिब जी एवं कीर्तन मंडली के सदस्यों को माला पहनाकर तथा साध संगत पर पुष्प वर्षा कर फेरी का श्रद्धा भाव से स्वागत किया गया। सरदार छोटू सिंह ने श्री निशान साहब उठाकर फेरी की अगुवाई की एवं गुरु घर के सेवक मनीष मिट्ठा ने सभी श्रद्धालुओं के घरों के सामने वाहेगुरु से मंगल कामना की

अरदास की। सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि प्रभात फेरी का समापन 23 दिसंबर को होगा तथा श्रद्धालुओं के पटना साहिब से लौटने के बाद प्रकाश पर्व तीन और चार जनवरी को मनाया जाएगा। इस मौके पर शनिवार 3 जनवरी को रात 8 बजे से 11:30 बजे तक तथा रविवार 4

जनवरी को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक विशेष दीवान सजाया जाएगा। प्रकाश पर्व में शिरकत करने के लिए सिख पंथ के महान कीर्तनी जत्था भाई बलजीत सिंह जी पटियाला वाले विशेष रूप से रांची पधार रहे हैं। आज की फेरी में अर्जुन देव मिट्ठा, सुंदर लाल मिट्ठा, सुरेश मिट्ठा, अशोक गेरा, हरगोबिंद सिंह,

हरीश मिट्ठा, मोहन काठपाल, अनूप गिरधर, इंंदर मिट्ठा, पीपूष मिट्ठा, मनीष गिरधर,आशु मिट्ठा, दिनेश गाबा, जीवन मिट्ठा, हरीश मिट्ठा, भगवान दास मुंजाल, वेद प्रकाश मिट्ठा, दिलीप सिंह, प्रताप अरोड़ा, जीतू अरोड़ा, बसंत काठपाल, प्रकाश गिरधर, सोनु खुराना महेंद्र अरोड़ा, दिनेश मिट्ठा, रमेश तेहरी, प्रथम मिट्ठा, जीतू

पलामू कप नहीं, खेल इतिहास रचा है, सन्नी-शार्दुल की जोड़ी ने: मिथिलेश कुमार ठाकुर

पलामू कप पर पलामू वॉरियर्स का कब्ज़ा, रोमांचक फाइनल में रेड बुल को हराया

नवप्रदेश/मेदिनीनगर **पलामू**/ दिशोंम गुरु शिबू सोरेन स्मृति पलामू कप सीजन 3 का फाइनल मुक़ाबला रविवार को रोमांच के चमर पर रहा। 15 ओवर के इस ख़िताबी मैच में पलामू वॉरियर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रेड बुल को 125 रनों के लक्ष्य तक पहुँचने से रोक दिया और सीजन 3 का खिताब अपने नाम कर लिया। मैच के दौरान पलामू वॉरियर्स के गेंदबाजों ने कसी हुई और अनुशासित गेंदबाजी करते हुए रेड बुल की मजबूत बल्लेबाजी क्रम

लिंडसे क्लब एंड लाइब्रेरी द्वारा पौष पारबोन उत्सव में रक्तदान शिविर का आयोजन



नवप्रदेश/धनबादः हीरापुर स्थित प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था लिंडसे क्लब एंड लाइब्रेरी द्वारा पौष पारबोन उत्सव के दौरान रविवार को एक स्वीछ्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। क्लब परिसर में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वेहन करना रहा। शिविर का आयोजन शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के तकनीकी सहयोग से सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। क्लब परिसर में आयोजित इस शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में जिले के सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक विश्वकर्मा ने रक्तदाताओं को रक्तदान के महत्व एवं इसके फायदे के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर क्लब के सचिव सलिल विश्वास ने कहा कि ह्करक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद की जान बचा सकता है। लिंडसे क्लब केवल सांस्कृतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाता रहा है। वहीं अध्यक्ष अमलेंदु सिन्हा ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के व्यस्त

सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, सचिव सलिल विश्वास, अध्यक्ष अमलेंदु सिंह, शर्मिला सिंह

सांसद खेल महोत्सव फुटबॉल प्रतियोगिता धनबाद

नवप्रदेश/धनबाद: बिरसा मुंडा मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स धनबाद में खेल महोत्सव के फुटबॉल प्रतियोगिता के तीसरा एवं अंतिम दिन रविवार को मुख्य अतिथि बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और फुटबॉल किक मारकर मैच का शुभारंभ किया। फाइनल मैच बिरसा मुंडा क्लब धनबाद और सरना एफ सी के बीच में हुआ। बिरसा मुंडा क्लब टाई ब्रेकर में 6-5 से सरना एफ सी क्लब को पराजित कर ट्नामैंट का विजेता बना। धनबाद जिला फुटबॉल संघ के महासचिव मुडुल बोस, कोषाध्यक्ष मो.सलाउद्दीन, संयुक्त सचिव शुभंकर सरकार, खेल प्रभारी सांसद प्रतिनिधि मनोज सिंह, कैलाश कुमार गुप्ता, संदीप शर्मा ने सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाई। मंच संचालन शशि प्रकाश ने किया। निर्णायक की भूमिका सरकार मरांडी, सम्राज्ज्वाह अंसारी, संतोष रजक, दिलीप महतो ने निभाया। इस अवसर पर सुनील चौधरी, देवाशीष पाल, सुरेश दास, राजीव शर्मा, सुनील गुप्ता, विजय शर्मा, दुर्गा सिंह, भोला पांडे, सरोज शुक्ला, जगतु गोप, राजेश सिंह, संजय विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

पूर्व जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक के नेतृत्व मे प्रदेश कमिटी का जोरदार प्रतियोगिता किया गया

नवप्रदेश/मेदिनीनगर **पलामू**/ पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक के नेतृत्व में एंआईसीसी के सचिव सह झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी सह प्रभारी भूपेंद्र मरावी पूर्व मंत्री बंधु तिकी प्रशर प्रवक्ता शान्तनु मिश्रा का धनबाद स्वागत पलामू जिला के डाल्टनगंज विधानसभा शाहपुर स्थित स्वामी विवेकानंद चौक पर किया गया उपस्थित लोगों ने फूल माला पहनकर गुलदस्ता देकर अतिथियों का स्वागत जोरदार राहुल गांधी जिंदबाद के नारों के साथ पलामू के धरती पर सभी का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया गया जिसमें ईश्वरी प्रसाद सिंह शमीम अहमद राइन सच्चिदानंद मिश्रा अखिलेश चौधरी अमिताभ शर्मा खुशींद खान सोनू मिट्टू खान देवांग शुक्ला विष्णु देव यादवबबलु सिंह



रणधीर का रणधीर पासवान कुणाल कुमार सोनू सिंह फैयाज आलमखेटू चंद्रवंशीउमेश यादव परमजीत यादवविनय सिंहअनूप कुमार दुबे पीयूष कुमार सिन्हा राशिकाता पाण्डेयअनेश्वर पासवान आयुष कुमार अंकित कुमार छोट्टू कुमार अमरकांत कुमार नितेश कुमार सतविंदर पासवान विवेक कुमार पासवान पिंटू कुमार सुजीत पासवान रमेश पासवान रवि पासवान

पलामू में 'हिन्दू सम्मेलन' की सुगबुगाहट: 2026 के महाआयोजन में शिरकत करेंगे डॉ. प्रवीण तोगड़िया : अविनाश राजा

नवप्रदेश/मेदनीनगर **पलामू** अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद द्वारा पलामू प्रमंडल में एक भव्य हिन्दू सम्मेलन के आयोजन की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। रविवार को मेदिनीनगर स्थित श्रीराम जानकी मंदिर के प्रांगण में परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। जिला अध्यक्ष अविनाश राजा के नेतृत्व में हुई इस बैठक में वर्ष 2026 में होने वाले इस ऐतिहासिक सम्मेलन की तैयारियों और विभिन्न सामाजिक-धार्मिक मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। **डॉ. प्रवीण तोगड़िया का होगा आगमन**

बैठक की सबसे बड़ी जानकारी यह रही कि 2026 के इस सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के संस्थापक और 'हिन्दू ह्रदय सम्राट' के नाम से चर्चित डॉ. प्रवीण तोगड़िया का पलामू आगमन होगा। उनके आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

इन गंभीर मुद्दों पर तैयार होगा डेटा

बैठक के दौरान परिषद ने पलामू प्रमंडल की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त की। वक्ताओं ने कई ज्वलंत मुद्दों पर समाज के बीच डेटा

बैठक में मुख्य रूप से विजय चंद्रवंशी, विनोद उदय पुरी, श्रवण गुप्ता, प्रमिला प्रसून, राधा सिंह, दिलीप सोनी, आनंद गुप्ता सहित कई सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित थे, जिन्होंने व्यवस्था और आयोजन स्थलों के चयन पर अपने विचार साझा किए।



के दम पर मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया। फाइनल मैच के मुख्य अतिथि मिथिलेश कुमार ठाकुर, झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सह पूर्व मंत्री रहे। उन्होंने विजेता टीम पलामू वॉरियर्स को 75।,000 की पुरस्कार राशि का चेक एवं विजेता ट्रॉफी प्रदान

मोदी सरकार महात्मा गांधी के नाम को मिटाना चाहती है, राष्ट्रपिता लोगों के दिल में है : जिलाध्यक्ष

मनरेगा को कमजोर करने की साजिश के खिलाफ कांग्रेस का जोरदार विरोध

रणधीर वर्मा चौक पर धरना प्रदर्शन, भाजपा सरकार पर अधिकार छीनने का आरोप

नवप्रदेश/धनबाद। रविवार को धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में रणधीर वर्मा चौक, धनबाद पर मनरेगा को कमजोर करने और महात्मा गांधी का नाम हटाने की साजिश के खिलाफ एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने किया। धनबाद जिला के तमाम कांग्रेस नेता, पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं सम्मानित नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष श्री संतोष कुमार सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा महात्मा

एकेडमिक सेशन में सुधार के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन हुआ सख्त नीलांबर पीतांबर युनिवर्सिटी अब सिर्फ दो बार ही कराएगी बैकलॉग परीक्षा : दिनेश प्रसाद सिंह

मेदिनीनगर **पलामू**/नीलांबर पीतांबर युनिवर्सिटी अपने एकेडमिक सेशन में सुधार व समय पर परीक्षा कराने के लिए सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। अब दो बार ही बैकलॉग की परीक्षा ली जाएगी। अब युनिवर्सिटी किसी भी सेशन के लिए तीसरी बार बैकलॉग परीक्षा नहीं कराएगी। उक्त बातें नीलांबर पीतांबर युनिवर्सिटी के कुलपति डॉक्टर दिनेश प्रसाद सिंह ने कही। वे शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नीलांबर पीतांबर युनिवर्सिटी में कोविड 19 काल के बाद अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट व दूसरे वोकेशनल कोर्स के एजाम में बैकलॉग का सामना कर रही है। युनिवर्सिटी ने हाल में ही रेगुलर कोर्स के साथ बैकलॉग की भी परीक्षा कराई है। कहा कि इस विषय पर छात्र संगठनों के साथ भी बातचीत हुई है। बैकलॉग परीक्षा को लेकर समस्याएं आ रही हैं। छात्र समझते हैं कि बैकलॉग परीक्षा होगी। वह परीक्षाओं के लिए बैकलॉग का इंंट्रान करतें हैं। इस कारण सेशन लेट हो रहा है। सभी बैकलॉग एक ही वर्ष में नियमित विद्यार्थियों के साथ पूरा किया जाएगा। कहा कि मई-जून महीने में खबर आई थी कि नीलांबर पीतांबर युनिवर्सिटी से 8,9०5 छात्र गायब हो गए हैं। इस कारण सेशन को पढ़ाई कर रहे थे। गायब छात्रों में से ज्यादातर वे थे, जिनके बैकलॉग थे। सैकड़ों छात्रों ने तो

हरिहरगंज में जमीन विवाद, फर्जी सुधारनामा व रद्द केवाला के आधार पर डिमांड खोलने का आरोप

नवप्रदेश/हरिहरगंज **पलामू** हरिहरगंज प्रखंड के सतगावां मौजा अंतर्गत खाता संख्या 100/213 के विभिन्न प्लॉटों की करीब 4.98 एकड़ भूमि को लेकर गंभीर विवाद सामने आया है. खतीयानी रैयत के वंशजों ने अंचल कार्यालय में आवेदन देकर फर्जी सुधारनामा और रद्द केवाला के आधार पर ऑनलाइन डिमांड खोलने का आरोप लगाया है. आवेदनकर्ताओं के अनुसार पुराना खाता नंबर 100 के प्लॉट 311, 312 तथा नया खाता 213 के प्लॉट 387, 422 की कुल 33 डिसमिल भूमि से संबंधित दाखिल-खारिज वाद संख्या 130 आर/27/1986-87 और जमाबंदी अद्यतन वाद संख्या 114/2025-26 के क्रम में गलत तरीके से सुधारनामा किया गया. आरोप है कि उनके जीवित दादा को मृत घोषित कर प्लॉट 130 की जगह 312 तथा 188 की जगह



311 दर्ज कर ऑनलाइन डिमांड खोल दिया गया है, जो सरासर गलत है. आवेदन में बताया गया है कि ऑरिजिनल केवाला संख्या 9681 दिनांक 31 दिसंबर 1979 में खाता संख्या 100 के प्लॉट 130 व 188 दर्ज हैं, लेकिन एकतरफा सुधारनामा कर अभिलेखों में हरेफेर किया गया. इसी आधार पर केवालाधारी लगान रसीद दिखाकर जमीन पर दखल-कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं. इसके अलावा पुराना प्लॉट 311 व नया प्लॉट



(तथ्य) रखने का निर्णय लिया, जिनमें प्रमुख हैं: **धर्मांतरण और जिहाद:** पलामू में हिन्दुओं के धर्मांतरण, जिहादी मानसिकता और 'जमीन जिहाद' जैसी समस्याओं पर

डेटा तैयार करना।

प्रमंडल की स्थिति: पलामू की उन्नति से दुर्गति की ओर बढ़ते ग्राफ का विश्लेषण।

सुरक्षा: हिन्दू महिलाओं की सुरक्षा और समाज पर बढ़ते अत्याचारों के

सभी साथियों को धन्यवाद दिया और वादा किया की अगले साल फिर से बेहतरीन सीजन होगा। मौके पर अध्यक्ष सनी शुक्ला एवं शार्दुल विनायक ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने मुख्य प्रायोजक जे. पी. एस बजाजके साथ-साथ साथी प्रायोजकों–आशी केयर हॉस्पिटल के अमितेश कुमार का पांडेय, मक्स टेक्नोलॉजी, हिंदुस्तान सैनिटरी, कात्यायनी हाउटवेयर, आई विन फाउंडेशन सहित सभी सहयोगी स्पॉन्सर्स का धन्यवाद किया। आयोजकों ने कहा कि प्रायोजकों के सहयोग से ही पलामू में खेल संस्कृति को नई ऊंचाई मिल रही है और आगे भी ऐसे आयोजन निरंतर होते रहेंगे।

मोदी सरकार महात्मा गांधी के नाम को मिटाना चाहती है, राष्ट्रपिता लोगों के दिल में है : जिलाध्यक्ष

वाहनी मगर गांधी जी के नाम जनता के दिलो से कैसे हटा देगी। आज साबित हो गया भाजपा गौडसे के वंशज है। श्री सिंह ने कहा महात्मा गांधी राष्ट्रिय ग्रामिण रोजगार गारंटी अधिनियम का नाम बदलना देश के लिय शर्मनाक है। झारखंड प्रदेश महासचिव मदन महतो ने कहा कि यह सब भाजपा-आरएसएस की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें अधिकार-आधारित कल्याणकारी व्यवस्था को खत्म कर केंद्र-नियंत्रित दया-दान की नीति लागू करना उद्देश्य है। धरना-प्रदर्शन में मौजूद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में मनरेगा के साथ छेड़छाड़ का विरोध किया और केवाली दी कि यदि केंद्र सरकार ने इस जनविरोधी कदम को वापस नहीं लिया, तो कांग्रेस पार्टी सड़क से संसद तक आंदोलन को और तेज करेगी। धरना प्रश्न कार्यक्रम का संचालन प्रदेश प्रतिनीधी मनोज यादव और संचालन शहीद करन ने किया। संबोधित करने वाले में प्रदेश महासचिव श्री मदन महतो, रवी रंजन सिंह, सुरेश चंद्र झा, मुखार खान, कुमार गौत, राजेश्वर सिंह, यादव, योगेंद्र सिंह योगी, शहीद कमार, एहसान खान, मूंद दास, विलकिस खानम, श्रीमती सीता राणा,

प्रेम यादव हत्याकांड का पुलिस ने किया उद्बेदन, हथियार सहित तीन गिरफ्तार

धनबाद। विगत 18 नवंबर को झरिया शनातगंज कारास मोंड के समीप मोटरसाइकिल सवार अज्ञात अपराधियों द्वारा गोली मारकर एक युवक की हत्या करने के मामले में धनबाद पुलिस ने न सिर्फ कांड में शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है, बल्कि हत्या में प्रयुक्त कट्टा, बाइक और घटना के समय पहना हुआ कपड़ा भी बरामद कर लिया है।इस संबंध में रविवार को एक प्रेस वार्ता कर धनबाद के सिटी एसपी रूचिक श्रिवास्तव ने बताया कि बीते 18 नवंबर को झरिया के कारास मोंड पर बाइक सवार अपराधियों द्वारा प्रेम यादव को गोली मारकर की गई हत्या मामले में मृतक के पिता द्वारा झरिया थाना में मामला दर्ज कराने के बाद वरीय पुलिस अंशक के द्वारा इस मामले में एक विशेष अनुसंधान टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने अनुसंधान के क्रम में कांड में शामिल दो अभियुक्तों रोहित कुमार सिंह और कुनाल कुमार को महाराष्ट्र के कोल्हापुर से एवं एक अन्य अभियुक्त आकाश गोप को बिहार के वैशाली से गिरफ्तार किया।

422 से संबंधित केवाला दिनांक 22 जुलाई 1986 का ऑफ़लाइन डिमांड अब तक नहीं खुला है, जिसे खोलने के लिए केवालाधारी के वंशजों ने अंचलाधिकारी को आवेदन दिया है. इसको लेकर दोनों पक्षों में विवाद गहरा गया है. आवेदनकर्ताओं का कहना है कि खाता संख्या 100/213 के सभी प्लॉटों का कुल रकबा 4.98 एकड़ भूमि खतीयानी रैयत बंधन दुसाध, देवदंड और सोहराय राम के नाम से दर्ज है, जिसके वे वंशज हैं. उनका आरोप है कि केवालाधारी पहले बटाईंदर थे, लेकिन गलती से नए सर्वे में प्लॉट 387 में 27 डिसमिल भूमि उनके नाम अवैध रूप से दर्ज हो गई. मामले में एक अन्य विवाद 1७6६5 दिनांक 3 सितंबर १९7० से जुड़ा है, जिसे जिला दंडाधिकारी द्वारा 2 दिसंबर 1970 को रद्द कर दिया

खिलाफ रणनीति। **सामूहिक विवाह और सामाजिक एकजुटता** सम्मेलन को केवल एक वैचारिक मंच न बनाकर सामाजिक सरोकार से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। इस आयोजन के दौरान हिन्दू सामूहिक विवाह संपन्न कराने का निर्णय लिया गया है, ताकि समाज के हर वर्ग को एक सूत्र में पिरोया जा सके।

सभी संगठनों का लिया सहयोग

इस महाआयोजन की सफलता के लिए झारखंड अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू

एक नजर

विक्टोरिया स्कूल के बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण

नवप्रदेश/हरिहरगंज **पलामू**/महाराजगंज-हरिहरगंज स्थित विक्टोरिया मेमोरियल पब्लिक स्कूल के नर्सरी से तीसरी तक के 60 विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाया गया. विद्यालय के निदेशक अजय कुमार सिंह ने बताया कि बच्चों ने तिहाई बिहाह (औरंगाबाद) के जैव विविधता उद्यान, झुझुनवा पहाड़, सत्येंद्र नारायण सिंह पार्क, नेहरू चिल्ड्रन्स पार्क और डॉ एपीजे अब्दुल कलाम पार्क का भ्रमण किया. इस दौरान बच्चों ने प्रकृति, पर्यावरण और जैव विविधता की जानकारी ली. उन्होंने बताया कि इससे पूर्व कक्षा तीसरी से दसवीं तक के 120 विद्यार्थियों को पटना चिड़ियाघर, म्यूजियम, तारामंडल और पटना साहेब का भ्रमण कराया गया. यह भ्रमण बच्चों के ज्ञान और अनुभव को बढ़ाने वाला रहा. भ्रमण के दौरान शिक्षक सरोज चौधरी, मूकेश शर्मा, महताब आलम, मनोज कुमार एवं शिक्षिकाएं मृनि गुप्ता, आरती सिंह, कंचन कुमारी, मुस्कान, मंजूला कुमार अंजलि मौजूद रहीं.

भाटडीह ओ पी पहुंचे प्रेमी युगल, प्रेमिका अपनी मर्जी से शादी करने को तैयार

नवप्रदेश/धनबाद/महुदा। बाघमारा प्रखंड अंतर्गत महुदा के भाटडीह ओ पी चाण्डील, जिला सरायकेला की प्रेमिका केनाथ खातुन पिला मो अब्दुल्ला और महुदा बस्ती के प्रेमी सकिल खान पिता वसुम खान दोनों जोड़ी शादी करने के लिए पहुंचे। भाटडीह ओपी प्रभारी अनूप कुमार सिंह ने दोनों को समझाया एवं दोनों पक्ष के अभिभावकों से कहा की दोनों बालिक है इसलिए अपने मर्जी से न्यायालय में कांट पेश कर सकते हैं , बाना में शादी नहीं हो सकता है , महुदा बस्ती के मुखिया बबरुद्दीन अंसारी ने कहा कि दोनों एक ही समुदाय का हैं इसलिए लड़का लड़की का दोनो पक्षों के अभिभावक मिल कर निकाह करा सकते हैं ,लेकिन लड़की पक्ष के लोग शादी करवाना नहीं चाह रहे है , इस दरमियान दोनो पक्षों में ओपी गेट के सामने धक्का मुक्का भी हुई। इस देखकर ओपी पुलिस ने दोनो पक्षों को समझा बड़ा कर शांत करवाया, फिर लड़की अपनी मर्जी से शादी करने को तैयार हो गई और लड़की लड़का के साथ चली गई। समाचार लिखे जाने तक दोनों का शादी नहीं हुआ था।

डोमगढ़ बचाओ मोर्चा ने अस्तित्व संरक्षण के लिए फूँका बिगुल, अनिश्चितकालीन धरना शुरू

नवप्रदेश/सिंदरी। डोमगढ़ के 70 वर्षों के अस्तित्व संरक्षण के लिए डोमगढ़ बचाओ मोर्चा ने रविवार को बिगुल फूँक दिया है। मोर्चा के बैनर तले डोमगढ़ बाजार में रविवार से डोमगढ़वासियों ने अनिश्चित कालीन धरना शुरू किया। इसकी शुरुआत महिलाओं ने अपने कंधों पर लिया है। धरना दे रही डोमगढ़ निवासी गंगा देवी ने कहा कि इस शीतलरेनी में जहाँ लोग अपने घर में कंबलों में दुबके हुए हैं। वही आवास के लिए डोमगढ़ की महिलाओं और पुरुषों ने कमर कस लिया है। डोमगढ़वासी सीमा मंडल ने बताया कि हम किसी भी कीमत पर डोमगढ़ नहीं छोड़ेंगे। विश्वासमं मंजूर नहीं है, रही आवास देना होगा। डोमगढ़ निवासी विदेशी सिंह ने कहा कि डोमगढ़ बचाओ मोर्चा हर कदम पर डोमगढ़ के निवासियों के साथ खड़ा है। डोमगढ़ में सेल का सर्वे हो रहा हो या कही खनन कार्य हो रहा हो। इसको लेकर मोर्चा अध्यक्ष धीरंज कुमारी साहू साहू सक्रिय रहते हैं। डोमगढ़ निवासी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि डोमगढ़ की जनता मोर्चा के मंच पर एकसाथ खड़ा है और यह धरना अपने अस्तित्व की रक्षा करने के साथ ही लोगों के विश्वास का मंच बनकर उभरा है। हरना प्रदर्शन में मोनी मंडल, गंगा देवी, कविता देी, जमुना देवी, मनोमरा देवी, रहमत निजा, सुनिता देवी, फुलपाँत देवी, हेमा देवी, ज्योति देवी, नीता कुमारी, तैरसुम, रंजीता देवी, राजेश्वरी देवी, नुनू देवी, रुबी देवी, उर्मिला देवी, रीता कुमारी, नबू चंडा, किरण देवी, बेबी देवी, पिकी देवी, विप्राशी कुमारी, विनिता देवी, लक्ष्मी देवी सहित कई दर्जनों महिलाएं शामिल रहे।

लोयला स्कूल में स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में 'रंगा रंग कार्यक्रम

नवप्रदेश/धनबाद/चिरकुंडा। चिरकुंडा स्थित लोयला स्कूल ने अपना 5०वें पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्घाटन निरसा विधायक अरुण चटर्जी व कार्यक्रम के विशेष अतिथि के रूप में जयशेदपुर प्रांत के विश्णु स्वामी रेवेनरे डॉ. टैलेस्फोर बोर्रगु एस,डि।बि, निरसा एएसडीपीओ रजत मानिक बाखला,बीसीसीएल परिषदा के प्रबंधक शशि भूषण कुमार, जेएलकेएम नेता अशोक मंडल के द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ तथा प्रज्जलित कर दिया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के वर्तमान फादर जानी पी दिनेश्वरी ने भूपूर्व प्रसार फादर सहायक शासन कृष्ण कुजूर एनबीएस दगडू के कार्यकाल में हुए महत्वपूर्ण कार्यों के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया इस अवसर पर बच्चों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया ।वही अहाहाय व्यक्तियों के बीच में कंबल का भी वितरण किया गया। मंच पर बिसाल ने बताया कि लोयला स्कूल सदैव शिक्षा का अलग जगाने हेतु प्रयासरत है हम प्रयास समाज के पिछड़े वर्गों के उठाने हेतु अपना तन मन धन से सहायता करते रहते हैं इस कफ़के के टंड में जरूरतमंद लोगों को गर्म कपडा देकर भी सहायता किया गया।

सर्किट हाउस में नगर विकास मंत्री से मिले शमशेर व कार्तिक

नवप्रदेश/धनबाद। रविवार को दोरे में धनबाद पहुंचे झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री सुदित्य कुमार सोनू से सर्किट हाउस में झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता शमशेर आलम ने मुलाकात की। मंत्री को उन्होंने ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें उन्होंने नगर निगम चुनाव में हो रहे विलंब के अलावे धनबाद के सभी 55 वार्डों में व्याप्त ज्वलंत समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। साथ ही फूटपाथ दुकानदारों को स्थाई रूप से बसाए जाने की भी मांग रखी, ताकि गरीब फूटपाथ दुकानदारों सुकुन से अपना व्यापार कर अपना एवं अपने परिवार की जीविका चला सके।शमशेर आलम के साथ उपस्थित हुए कांग्रेस नेता सह हाडी जाती समाज सुधार समिति सामाजिक संस्था के कार्य कारी अध्यक्ष कार्तिक हाडी ने नगर निगम के सफाई कर्मचारियों के वेतन वृद्धि समेत अन्य समस्याओं से मंत्री को अवगत कराया।मंत्री ने सभी मांगों को गंभीरता से सुनते हुए तत्काल नगर आयुक्त रविराज शर्मा को जल्द से जल्द समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए।सर्किट हाउस में शमशेर आलम एवं कार्तिक हाडी समेत अन्य नेताओं ने मंत्री को बूके देकर उनका जोरदार स्वागत किया।

भारतीय राजपुताना सेवा संगठन की बैठक संपन्न

नवप्रदेश/धनबाद। धनबाद के लुबी सर्कुलर रोड स्थित विवाह भवन में आज भारतीय राजपुताना सेवा संगठन की बैठक बहुत धूमधाम से हुई जिसमें मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल सिंह सिकरवार जी उपस्थित रहे इस अवसर पर धनबाद के भारी मात्रा में क्षत्रिय और छात्रानी उपस्थित हुए और सभी में अपनी बातों को रखा । सभा में मुख्य अतिथि सिकरवार ने कहा की राजपुत समाज में सहकर राजपुत का सबसे पहले सेवा करना है और जो आर्थिक रूप से कमजोर राजपुत है उनको हर हाल में हम सभी को मिलकर देखना है और ऐसा कोई भी काम जो उनसे नहीं हो पा रहा है हम सभी को मिलकर करना होगा तथा असली समस्या है। इस सम्पदनों के द्वारा कई राज्यों में लड़कियों की शादी कराई गई बहुत सारे समस्याओं को सुलझाया गया है उन्होंने कुछ राज्यों का उदाहरण भी लोगों के समक्ष रखा।उन्होंने विशेष आग्रह किया की धनबाद में भी हमारे जाति के बहुत सारे लोग है केवल सभी को संगठित करने की जरूरत है और एक छतरी के नीचे लाकर सभी को इकट्ठा करना है हम सबसे मजबूत हैं हमको कोई भी ताकत हिला नहीं सकती है और अंत में उन्होंने कहा कि हर हाल में क्षत्रिय को एकता बनाकर रखना होगा। इस सभा की अध्यक्षता श्री गजेन्द्र सिंह ने किया और संचालन अशोक सिंह ने किया।इस सभा को मुख्य रूप से संबंधित करने वालों में वरिष्ठ अधिकारता ब्र जेस प्रसाद सिंह उदय प्रताप सिंह मूकेश सिंह अरुण कुमार सिंह शास्त्राद सिंह अन्तनाथ सिंह के अलावे कई लोगों ने अपनी बातों को रखा।इस सभा में भारी संख्या में क्षत्रिय परिवार से लोग शामिल हुए जिसमें मुख्य रूप से अधिकता अरुण कुमार सिंह ब्रह्मदेव सिंह अंशल चंद्र अतुल सिंहचंदर टंड सिंह अभिषेक सिंह मनीश सिंह सरजू सिंह सहित लगभग 500 लोगों ने भाग लिया

मंडल कारा में जेल अदालत एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

नवप्रदेश/धनबाद। झालसा एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधि सेवा प्राधिकरण बालकृष्ण तिवारी के आदेश पर रविवार को मंडल कारा धनबाद में जेल अदालत व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस बाबत जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार परमानंद उपाध्याय ने बताया कि जेल अदालत में न्यायिक दंडाधिकारी सुरेश उराल के उपस्थिति में मंडल कारा पाल दिनेश यादव के द्वारा जेल अदालत के लिए लिखित कल वार बंदियों को पीठासीन न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष हाजिर कराया गया। जिसमें एक बंदी को रिहा किया गया। इस दौरान न्यायिक पदाधिकारी एवं लीनल एवं डिफेंस काउंसिल की टीम ने बंदियों के बीच विभिन्न कानून की जानकारी दी। वहीं डॉक्टर के नेतृत्व में डॉक्टरों द्वारा 156 बंदियों का स्वास्थ्य जांच किया गया और उन्हें मौके पर दवा उपलब्ध कराया गया। इस मौके पर लीनल एवं डिफेंस काउंसिल के वीफ कुमार विल्लेट्टू, डिटी वीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक काउंसिल सुमन पाठक, मुस्कान बोषाड़, नीरज गौतल, स्वाति कुमारी, कन्हैयालाल ठाकुर, सहायक , सौरव सरकार, अरुण कुमार , राजेश कुमार सिंह,पीपल्टी उज्जवल कुमार, समेत अन्य उपस्थित थे।

प्रसव के बाद महिला की मौत, परिजनों ने अस्पताल की की तोड़फोड़

धनबाद /झरिया। झरिया के मातृ सदन में प्रसव के बाद हुई महिला की मौत के बाद परिजनो ने अस्पताल में जमकर तोड़फोड़ की। मृतका की पहचान सोनाली कुमारी सेन (35) के रूप में हुई है, जो झरिया के खास परघा की रहने वाली थी। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर कृष्ण अग्रवाल के इलाज के बावजूद महिला की जान नहीं बचाई जा सकी। मृतका के पति रायकुमार मोदक ने कहा, हर्डीक्टर की लापरवाही से मेरी पत्नी की जान गई।

बैठक में मुख्य रूप से विजय चंद्रवंशी, विनोद उदय पुरी, श्रवण गुप्ता, प्रमिला प्रसून, राधा सिंह, दिलीप सोनी, आनंद गुप्ता सहित कई सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित थे, जिन्होंने व्यवस्था और आयोजन स्थलों के चयन पर अपने विचार साझा किए।

संपादकीय



तकनीक छोड़ें, पर्वतों को बचाएं

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद अरावली पर्वत श्रृंखला की सुरक्षा पर बहस शुरू हो गयी है। कहा जाता है कि पृथ्वी पर अरावली पर्वत श्रृंखला दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला है। यह करीब दो अरब साल पुरानी है और भारत में सबसे पुरानी है। यह हिंद-गंगीय मैदानी इलाकों को रेगिस्तानी रेत से बचाने के लिए एक अहम पारिस्थितिकी बैरियर की तरह काम करता है। वैज्ञानिक मानते हैं कि अगर यह पर्वत श्रृंखला न होती तो भारत का उत्तरी क्षेत्र रेगिस्तान में तब्दील होना शुरू हो गया होता। हालांकि, इस श्रृंखला के चलते ही थार रेगिस्तान अपने उत्तर की तरफ (हरियाणा, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश) तक नहीं फैल पाया। इतना ही नहीं अरावली थार रेगिस्तान और बाकी क्षेत्र के बीच जलवायु को संतुलित करने में भी अहम भूमिका निभाता है। इसके अलावा पूरे क्षेत्र में जैव विविधता और भूजल के प्रबंधन में भी यह श्रृंखला बेहद अहम हैं। इसके चलते ही दिल्ली से गुजरात का करीब ६50 किलोमीटर का क्षेत्र प्राकृतिक तौर पर विभिन्नता बरकरार रखने के लिए महत्वपूर्ण है। यह रेंज चंबल, साबरमती और लुनी जैसी नदियों का स्रोत भी है। इसमें बालू के पत्थर, चूना पत्थर, संगमरमर और ग्रेनाइट का भी भंडार है। इसके अलावा लेड, जिंक, कॉपर, सोना और टंगस्टन जैसे खनिज भी इस पर्वत श्रृंखला में पाए जाते हैं। ऐतिहासिक तौर पर अरावली से बड़ी मात्रा में खनन होता रहा है। हालांकि, बीते चार दशक में यहां से पत्थर और रेत का खनन बढ़ा है। अब आलम यह है कि अरावली के खनन की वजह से वायु गुणवत्ता बुरी तरह प्रभावित होती है और यह आसपास के राज्यों में एक्स्‌आई खतरा बन रही है। इतना ही नहीं खनन की वजह से आसपास के भूजल पर फर्क पड़ रहा है। इन स्थितियों के चलते अलग-अलग समय पर अरावली के अलग-अलग क्षेत्रों में खनन अवैध किया गया है। मार्च-2025 में एक समिति ने साफ किया कि पर्यावरणीय तौर पर संवेदनशील इलाकों में खनन पूरी तरह रोका जाना चाहिए। इधर, सुप्रीम कोर्ट ने पाया है कि अरावली पर्वत श्रृंखला की पहचान के लिए अलग-अलग राज्य अलग मानक रख रहे हैं। यहां तक कि विशेषज्ञ समूह भी अलग मानकों से अरावली पर्वत को परिभाषित कर रहे हैं। इनमें फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) शामिल है। दरअसल, 2०10 में एफएसआई ने कहा था कि अरावली श्रृंखला में उन्हें ही पर्वत माना जाएगा, जिनकी ढलान तीन डिग्री से ज्यादा हो। ऊंचाई 100 मीटर के ऊपर हो और दो पहाड़ियों के बीच की दूरी 500 मीटर हो। वर्तमान में दिल्ली प्रदूषण के संकट से जुझ रही है। सरकार को चाहिए तकनीकी पहलुओं को किनारे कर सीधे तौर पर न सिर्फ अरावली पर्वत श्रृंखला, बल्कि तमाम पर्वतों को बचाने की दिशा में कदम उठाये। इन पर्वतों में हो रहे खनन व वृक्षों के दोहन से देश में पर्यावरण संकट खत्म हुआ है। इस मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। सभी को एकमत से देश की सभी पर्वत श्रृंखला, सभी पहाड़ों की रक्षा करना चाहिए। यह वर्तमान ही नहीं, भविष्य के लिए भी जरूरी है।

सुझा

संघ और बदलता विमर्श

अनिल पांडेय

एक सदी पहले मुद्दीभर लोगों से शुरू हुआ संगठन आज देश के सबसे सशक्त और प्रभावी संगठनों में गिना जाता है। इसके बावजूद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ न तो कभी आत्मप्रचार की दौड़ में शामिल हुआ और न ही उसने समिटित दुष्प्रचारों का जवाब देने को आवश्यक समझा। लेकिन समय बदल रहा है। दशकों तक लगातार निशाना बनाए जाने के बाद अब संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सीधे सवालों का जवाब देना जरूरी समझा। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिंदू और हिंदुत्व का वास्तविक अर्थ क्या है, और क्यों संघ पर लगाए जाने वाले आरोप महज राजनीतिक हथकंडे हैं। नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमि के भाव के साथ राष्ट्रसेवा में जुटा यह संगठन दशकों से वामपंथी-उदारवादी विमर्श और पश्चिमी चरम से भारत को देखने वाले का सबसे प्रिय निशाना रहा है। संघ की आलोचना आज भी खुद को लिबरल और प्रगतिशील साबित करने की अनिवार्य शर्त मानी जाती है। लेकिन अब परिस्थय बदल रहा है और नरेंद्रिव का पेंडुलम संघ की ओर झुकता दिखाई दे रहा है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 100 वर्ष की संघ यात्रा: नए श्रितितज कार्यक्रम में मोहन भागवत ने साफ कहा, हिंदू मतलब जो अपने-अपने रास्ते पर श्रद्धा रखे, दूसरों का भी सम्मान करे और रास्ते की लेकर झगड़ा न करे। यह परंपरा और संस्कृति जिनकी है, यही हिंदू है। उनका सीधा संदेश था-हिंदू का अर्थ हिंदू बनाम अन्य नहीं, बल्कि समावेशिता है। संघ के खिलाफ हमेशा राजनीति की जाती रही है। मोहन भागवत ने कहा कि संघ के बारे में वचाएं बहुत होती हैं, लेकिन तथ्यपरक जानकारीया कम होती हैं। लेकिन यदि विमर्श तथ्यों पर आधारित हो जाए, तो संघ-विरोधी दुष्प्रचार ठहर नहीं पाएंगे। दरअसल, तथाकथित धर्मनिरपेक्ष राजनीति लंबे समय से चुनौती फायदे के लिए संघ का हौवा खड़ा करती रही है। संघ का नाम लेकर एक समुदाय विशेष को डराए रखना है ताकि थोक में उनके वोट मिल सकें। हिंदू राष्ट्र का हौवा खड़ा कर दिलितों को आरक्षण पर खतरे का भय दिखाया जाता है। यहीं कारण है कि असाहिष्णुता आंदोलन जैसे अभियानों को हवा दी गई और संघ-भाजपा को तालिबान बनाने तक की कोशिश हुई। संघ पर सबसे तीखा हमला वामपंथी विचारधारा से आता है। इसका कारण महज राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता नहीं है, बल्कि गहरी वैचारिक असहमति है। वामपंथियों को मानना है कि राष्ट्र की पहचान केवल आर्थिक वर्ग-संघर्ष और वैश्विक मार्क्सवादी एजेंडे से परिभाषित होनी चाहिए। दूसरी ओर, संघ मानता है कि भारत की आत्मा उसकी संस्कृति और सभ्यता में निहित है। यहीं कारण है कि वामपंथी विमर्श में संघ को अवसर प्रतिक्रियावादी और फासीवादी ठहराने का प्रयास किया जाता है। इसके अतिरिक्त, स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान ही वामपंथी धारा ने भारत की राष्ट्रीय अस्मिता को गीण रखकर अंतरराष्ट्रीय साम्यवादी क्रांति को प्राथमिकता दी, जबकि संघ ने भारत- फेडरल राष्ट्रवाद को अपनी मूल धुरी बनाया। यह वैचारिक विरोध आज भी कायम है। संघ भारत को सांस्कृतिक राष्ट्र मानता है, जबकि वामपंथ इसे 1947 में जन्मे नेशन स्टेट से आगे देख ही नहीं पाता। वामपंथ समाज को संघर्ष की दृष्टि से देखता है, जबकि संघ सहयोग और एकता पर बल देता है। वामपंथ की प्रेरणा मार्क्स, लेनिन और माओ हैं। संघ अपनी जड़ों को भारत की परंपरा, सनातन और अध्यात्म में खोजता है। यहीं कारण है कि संघ चाहे शिक्षा, सेवा या सामाजिक कार्य में किना भी योगदान क्यों न करे, वामपंथी विमर्श उसकी छवि को संदिग्ध बनाने से बाज नहीं आता। मोहन भागवत ने इस सवाल को सिरि से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, हमारे यहां कोई एक किताब है, न कोई एक पैगंबर, न कोई सर्वमान्य गुरु। यहां 33 करोड़ देवी-देवताओं की पूजा होती है। बौद्ध, जन जैसी परंपराएं भी सहज रूप से फलती-फूलती रही हैं। कोई भी रास्ता गलत नहीं माना गया। हिंदू जन्मना समावेशी होता है, और इस समावेश की कोई सीमा नहीं। स्पष्ट है कि हिंदुओं की तालिबान से तुलना न केवल तथ्यहीन है, बल्कि भारत की आत्मा को समझने में असफलता भी है।



हृदयनारायण दीक्षित

जहां तृप्ति

दायक अन्न हो।

हे देवों आप वही

स्थापित्व दें।

अमृतत्व दें। जहां

आनंद, मोद, मुद

व प्रमोद हैं। यत्रा

नंदस व मोदाश्च

मुद प्रमोद

आसते। जहां

कामनाएं तृप्त

होती हैं। आप

वहां अमृत दें।

इस सबके लिए

एक आदर्श राज्य

व्यवस्था चाहिए।

आदर्श

राजव्यवस्था के

अभाव में राष्ट्र

सुखी नहीं होते।

इसी प्रार्थना में

कहते हैं, जहां

विवश्वान का पुत्र

राजा है। जहां

विशाल नदियां

बहती हैं। जहां

आनंद का

द्वार है।



डॉ. मयंक चतुर्वेदी

पिछले

एक दशक में

भारत ने

इस्लामिक

कट्टरपंथ के कई

रूप देखे हैं। यह

सीमा पार से होने

वाला इस्लामिक

आतंकवाद नहीं

रहा है, अनेक

बार अब तक

सामने आ चुका

है कि देश के

भीतर वैचारिक

स्तर पर भी

इसका विस्तार

बहुत तेजी से

हुआ है।

मुद मोद प्रमोद की अभिलाषा

अभिलाषाएं अनंत हैं। सबसे बड़ी अभिलाषा

आनंद प्राप्ति है, लेकिन संसार दुःखमय है।

मनुष्य प्राचीनकाल से ही सुखी देश में रहना

चाहता है। वेदों में आदर्श राष्ट्र की सुंदर

अभिलाषाएं हैं। आधुनिक राजनीति निम्नित

क्षेत्र है। संसदीय राजनीति का भाषा शास्त्र ही

कंकश और बहुधा अश्लील है। यहां आरोप

हैं, प्रत्यारोप हैं, जाति, क्षेत्र, मजहब, पंथ के

उन्माद हैं। लेकिन प्राचीन भारतीय राजनीति

लोकमंगल का उपकरण थी। कुछेक विद्वान

लोकतंत्र को यूरोपीय परम्परा की देन मानते हैं।

यूरोपीय जनतंत्र और संसद की कल्पनाएं

13वीं सदी के बाद की हैं लेकिन भारत में

राजधर्म और नीतिशास्त्र का विकास ईसा पूर्व

कम से कम 6-7 हजार वर्ष पहले ही शुरू हो

गया था। कौटिल्य का अर्थशास्त्र ईसापूर्व

लगभग 340 वर्ष में माना जाता है। मौर्यकाल

और कौटिल्य ज्ञात इतिहास में हैं। अर्थशास्त्र

के रचनाकाल में राजनीति पर ढेर सारे विचार

प्रचलित थे। कौटिल्य के अर्थशास्त्र (वाचस्पति

गौरीला के भाष्य) में वृहस्पति,

शुक्राचार्य, भारद्वाज, पाराशर, चारायण, नारद

आदि पूर्ववत विचारकों का उल्लेख किया

गया है। शुक्रनीति में राज्यव्यवस्था का

खुबसूरत विवरण है। मसलन, राजा बहुमत

के अनुसार कार्य करे-कुर्याद बहुसमतम्

(अध्याय 1) शुक्रनीति में योग्यता को ही

नियुक्ति का आधार माना गया है कर्मियों की

नियुक्ति, पदेन्नति योग्यता और काम के

आधार पर करे, जाति या कुल के आधार पर

नहीं। शुक्रनीति में मोहित करने वाली राजनैतिक

संरचना है। यहां सेना के अंगो पदों के भी नाम

व विवरण हैं। प्रधानमंत्री, मंत्री, सचिव,

अमात्य व पुरोहित के वेतन सुस्पष्ट रखने के

निर्देश हैं। (अध्याय 2) राजा को निर्देश है

कि वृक्षारोपण की चिन्ता करे। गांव में गांव के

लिए उपयोगी वृक्ष और वनों में जंगली वृक्ष

लगाए। (अध्याय 4) राजा को प्रतिदिन के

चौबीस घंटो का समय विचार करना

चाहिए। आय-व्यय की प्रतिदिन जांच जरूरी

है। राजा स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए

व्यायाम करे। (अध्याय 1) अधिकारियों को

एक ही स्थान पर न रखने और स्थानान्तरण

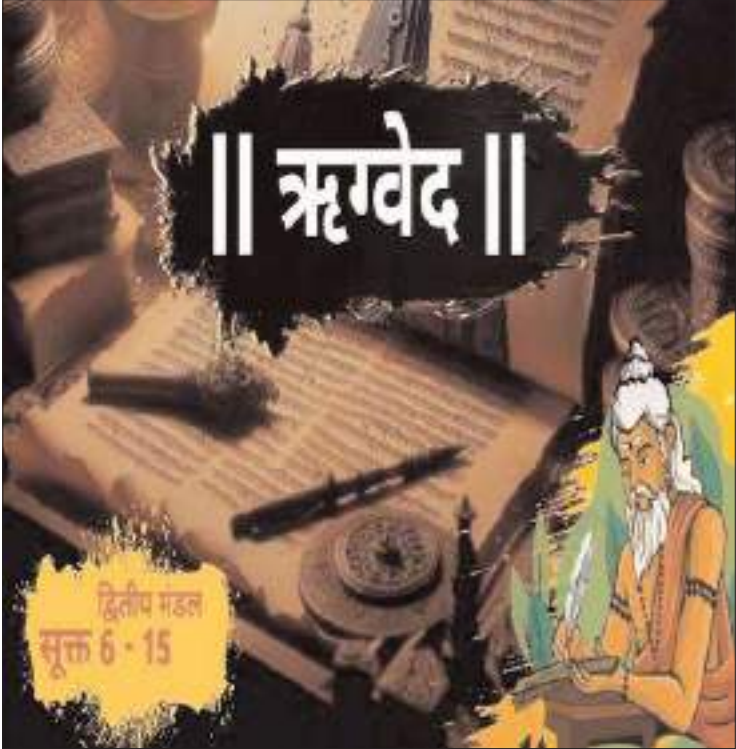
के भी निर्देश हैं। (अध्याय 2)

कौटिल्य ने अर्थशास्त्र की शुरुआत में ही

शुक्राचार्य व वृहस्पति को नमस्कार किया है।

उन्होंने वाद-विवाद के अवसर के लिए

शुक्राचार्य के मत का उल्लेख किया है।



शुक्रनीति ऐतिहासिक रचना है। गुस्ताव ओपर्ट

ने इस ग्रन्थ पर काफी श्रम किया है। उनके

विवेचन में यह ईसापूर्व की रचना है। मूलभूत

विषय है राजनीति की विषय वस्तु और

लोकतंत्र। इस विषय सामग्री का आधार

कौटिल्य हैं। शुक्राचार्य हैं। यथार्थवादी दर्शन

हैं। यहां समग्र लोक को मधुमय बनाने वाली

राजनीति थी।

ऋग्वेद (9.113.10 तथा 9.113.11) में

प्रार्थना है, जहां सारी कामनाएं पूरी होती हों-

यत्र स्वस्व्य परमं निधानं सत्र मा सोमपतम्

कृधि। यत्र स्थिर सुखं चास्ति तत्र मा अमृतं

कृधि। जहां तृप्ति दायक अन्न हो। हे देवों

आप वही स्थायित्व दें। अमृतत्व दें। जहां

आनंद, मोद, मुद व प्रमोद हैं। यत्रा नंदस व

मोदाश्च मुद प्रमोद आसते। जहां कामनाएं तृप्त

होती हैं। आप वहां अमृत दें। इस सबके लिए

एक आदर्श राज्य व्यवस्था चाहिए। आदर्श

राजव्यवस्था के अभाव में राष्ट्र सुखी नहीं

होते। इसी प्रार्थना में कहते हैं, जहां विवश्वान

का पुत्र राजा है। जहां विशाल नदियां बहती

हैं। जहां आनंद का द्वार है। आप हमें वहां

स्थायित्व दें। स्तुति है, जहां सूर्य का अखण्ड

तेज प्राप्त होता है, उसी क्षेत्र में मुझे अमृतत्व

भारत में गहरा रही है जिहादी सोच

से होने वाला इस्लामिक आतंकवाद नहीं रहा

है, अनेक बार अब तक सामने आ चुका है

कि देश के भीतर वैचारिक स्तर पर भी इसका

विस्तार बहुत तेजी से हुआ है। सोशल मीडिया

के जरिये युवाओं को कट्टर विचारधाराओं से

जोड़ने की कोशिशें हुईं। आईएसआईएस और

अल कायदा से जुड़े मॉड्यूलों का भंडाफोड़

हुआ। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया, सिमी जैसे

संगठनों पर कार्रवाई ने यह साफ किया कि

कैसे मजहब और सामाजिक सेवा की आड़

में इस्लाम के उग्र नेटवर्क खड़े किए जा रहे

थे। कश्मीर से लेकर केरल और बंगाल तक,

जिहाद की भाषा अलग अलग रूपों में सामने

आई है, जिसका कि मूल मकदस एक ही है। गैर

मुसलमानों पर हिंसा।

कहना होगा कि इस पूरे परिदृश्य में गजवा-ए-

हिंद की सोच एक बेहद खतरनाक वैचारिक

हथियार बनकर उभरी है। यह कोई मासुस

मजहबी कल्पना नहीं है; एक आक्रामक

राजनीतिक और सैन्य कल्पना है, जो भारत

के एक लक्ष्य के रूप में देखती है। जांच

एजेंसियों की रिपोर्टें और गिरफ्तार आतंकियों

के बयानों में बार-बार इस विचार का उल्लेख

हुआ है। भले ही भारत के अधिकांश

मुसलमान इस सोच को नकारते हों, लेकिन

कुछ कट्टरपंथी तत्व इसे अपनी पहचान और

उद्देश्य बना चुके हैं। यही वजह है कि हर

ऐसा बयान, हर ऐसा प्रतीकात्मक कदम जो

किरणे एक दशक में भारत ने इस्लामिक

कट्टरपंथ के कई रूप देखे हैं। यह सीमा पार

मतदान का बहुत महत्व है। विचार आधारित

पार्टियां चुनाव के दौरान अपने पक्ष में

वातावरण बनाती हैं। राजनैतिक दल चुनाव में

अपने प्रत्यक्षी खंडे करते हैं। किसी भी

राजनीतिक दल के लिए संगठन बनाना जरूरी

है। कार्यकर्ता आधारित संगठन पार्टी के पक्ष

में लोकमत बनाते हैं। सारी दुनिया में राष्ट्रवादी

संगठन हैं। भारत का स्वाधीनता संग्राम भी

राष्ट्रवादी था। आज कथित सेकुलरवादी

संगठन और व्यक्ति हिंदुत्व को सांप्रदायिक

बताते हैं। लेकिन स्वाधीनता संग्राम के प्रमुख

योद्धा महात्मा गांधी ने लिखा था कि, मुझे

हिंदुत्व निकाल दो तो मेरे पास कुछ नहीं

बचेगा।

स्वाधीनता संग्राम के आगे-पीछे कांग्रेस

राष्ट्रवादी संगठन भी थी। संगठन अपरिहार्य

है। वामपंथी भी संगठन की महता जानते थे।

स्वाधीनता के बाद सांप्रदायिकता चरम पर थी।

भारत विभाजन हो चुका था। पाकिस्तान

सांप्रदायिक आधार पर बंट गया था। धीरे-धीरे

संगठन का तेज घटा। पंडित नेहरू के नेतृत्व

में सरकार तो थी, लेकिन संगठन नहीं था।

1951 में भारतीय जनसंघ का जन्म हुआ।

इसका सांगठनिक ढांचा धीरे-धीरे मजबूत हो

रहा था। संगठन के चुनाव होते थे। संगठन

आंतरिक लोकतंत्र से समृद्ध था। तत्कालीन

प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अनावश्यक रूप से

आपातकाल (1975) लगाया। जनसंघ

सहित सभी दलों के कार्यकर्ता जेलों में भेज

दिए गए। आपातकाल हटाने के बाद 1977

में संगठन कांग्रेस, सोशलिस्ट और लोकदल

तत्तापानी – जहाँ धरती उगलती है औषधि, और मन पाता है सुकून

बब्लू खान
लातेहार। जब शहर की भागदौड़, शोर और प्रदूषण से मन ऊब जाए, तब इंसान ऐसी जगह की तलाश करता है जहाँ शांति हो, सुकून हो और शरीर-मन दोनों को राहत मिले। झारखंड के लातेहार जिले में स्थित तत्तापानी ऐसी ही एक जगह है, जहाँ प्रकृति स्वयं चिकित्सक की भूमिका निभाती है। यह स्थान न सिर्फ अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है, बल्कि सल्फर युक्त गर्म पानी के झरनों के कारण स्वास्थ्य लाभ के लिए भी प्रसिद्ध है।

तत्तापानी : नाम में ही छुपा रहस्य

तत्तापानी—यानी गर्म पानी। यह मन अपने आप में इस स्थान की सबसे बड़ी पहचान है। यहाँ धरती के गर्भ से निकलता गर्म पानी लोगों को चकित कर देता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस पानी में अंडा तक उबाला जा सकता है। सबसे रोचक बात यह है कि गर्म पानी के ठीक बगल में ठंडे पानी का कुंड मौजूद है। प्रकृति का यह अनोखा प्रयोग तत्तापानी को अन्य पर्यटन स्थलों से अलग पहचान देता है।

अलग-अलग कांडों के अभियुक्त के खिलाफ उनके घर पर चिपकाए गए इश्तिहार



लातेहार: थाना कांड संख्या 16/25 के प्राथमिकी अभियुक्त 01. शिव सिंह उर्फ शिवजी उर्फ शिवाजी उर्फ शिव सिंह पिता कईला सिंह उर्फ कैला सिंह साकिन गोदना थाना+ जिला लातेहार, 02. रामदेव लोहरा उर्फ साधु उर्फ काका पिता सुखलाल सिंह साकिन बिनमड़ा, थाना+ जिला लातेहार, एवं 03. सुरेंद्र लोहरा उर्फ टाडगर जी पिता स्वो रामलाल लोहरा साकिन मांजर थाना+ जिला लातेहार एवं लातेहार थाना कांड संख्या 264/23 के प्राथमिकी अभियुक्त 01. शिव सिंह उर्फ शिवजी उर्फ शिवाजी उर्फ शिव सिंह पिता कईला सिंह उर्फ कैला सिंह साकिन गोदना थाना+ जिला लातेहार, 02. रामदेव लोहरा उर्फ साधु उर्फ काका पिता सुखलाल सिंह साकिन बिनमड़ा, थाना+ जिला लातेहार के घर पर साक्षियों एवं परिजनों की उपस्थिति में विधिवत इश्तेहार का तमिला किया गया। न्यायालय के आदेश से उनके परिजनों को निर्देशित किया गया कि प्राथमिकी अभियुक्त जल्द से जल्द न्यायालय में आत्मसमर्पण करें। अन्यथा न्यायालय के आदेश से कुकी जचो की करवाई की जाएगी

अंडर-14 क्रिकेट लीग : लातेहार ने गढ़वा को 110 रनों से हराया

आयुष राज बने मेन ऑफ द मैच, गेंदबाजी में किया शानदार प्रदर्शन लातेहार। जिला क्रिकेट संघ, लातेहार के तत्वावधान में जिला स्टेडियम में खेले जा रहे अंडर-14 क्रिकेट लीग के एक रोमांचक मुकाबले में रविवार को लातेहार की टीम ने गढ़वा को 110 रनों के विशाल अंतर से पराजित कर दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लातेहार की टीम ने 37.5 ओवरों में 190 रन बनाए। टीम की ओर से इशांत कुमार ने 38 रन और गगन भारद्वाज ने 26 रनों का अहम योगदान दिया। गढ़वा की ओर से गेंदबाजी करते हुए जावेद आलम और अर्जुन सिंह ने 3-3 विकेट झटके। गढ़वा की पूरी टीम 80 रनों पर सिमटी

190 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गढ़वा की टीम लातेहार के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 29.3 ओवरों में मात्र 80 रनों पर ऑलआउट हो गई। गढ़वा की ओर से अध्यांश चौधरी ने सर्वाधिक 28 रन बनाए, जबकि उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच सका।

आयुष राज की घातक गेंदबाजी

लातेहार की ओर से गेंदबाजी में आयुष राज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 ओवरों में 15 रन देकर 4 विकेट चटकाए। इसके अलावा आर्यन राज, गगन भारद्वाज और पार्थ कुमार को 2-2 विकेट मिले।

मेन ऑफ द मैच आयुष राज को मिला पुरस्कार

अपने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए आयुष राज को मेन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। यह पुरस्कार विधायक प्रतिनिधि अनिल कुमार सिंह के द्वारा प्रदान किया गया।

इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ के सचिव अमलेश सिंह, अंकित पांडेय सहित कई खेल प्रेमी और संघ के पदाधिकारी मौजूद थे।

ऑटो चालक के बेटे ने भरी देश सेवा की उड़ान, भारतीय वायुसेना में चयन से डेम्बू गांव गौरवान्वित

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता/ बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र के डेम्बू गांव निवासी विकास कुमार यादव ने अपने अथक परिश्रम और दृढ़ संकल्प से यह साबित कर दिया कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों,सपनों की उड़ान को रोका नहीं जा सकता। एक ऑटो चालक के बेटे बिकाश का भारतीय वायुसेना में चयन पूरे गांव, प्रखंड और जिले के लिए गर्व और गौरव का विषय बन गया है।विकाश ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा नेशनल पब्लिक स्कूल, हजारीबाग से प्राप्त की, जहां उन्होंने मैट्रिक परीक्षा में 87.8 प्रतिशत अंक हासिल किए। इसके बाद उन्होंने इंटर साइंस कॉलेज, हजारीबाग से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी करते हुए 87.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वर्तमान में वे सेंट कॉलंबस कॉलेज, हजारीबाग से स्नातक की पढ़ाई कर रहे हैं। खास बात यह है कि ग्रेजुएशन के दौरान ही उनका चयन भारतीय वायुसेना में हो गया। बिकाश के पिता गनु यादव बालूमाथ में ऑटो चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सीमित आय और संघर्षपूर्ण जीवन के बावजूद उन्होंने पिता की शिक्षा में कभी कमी नहीं आने दी। वहीं, उनकी मां मंजू देवी, जो एक गृहिणी हैं, ने घर सभालते हुए हर कदम पर बेटे का हौसला बढ़ाया। विकाश का कहना है कि इस सफलता के पीछे परिवार के त्याग के साथ-साथ शिक्षकों का मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत की अहम भूमिका रही है। आज उनकी यह उपलब्धि न सिर्फ उनके परिवार के लिए, बल्कि डेम्बू गांव और लातेहार जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है।विकाश की सफलता यह संदेश देती है कि मजबूत इरादों, कड़ी मेहनत और सही दिशा में प्रयास से कोई भी युवा देश सेवा के अपने सपने को साकार कर सकता है।

पहाड़पुरी में संयुक्त चर्च समिति ने मनाई क्रिसमस गैदरिंग

दीप प्रज्वलन के साथ हुआ शुभारंभ, प्रेम और मानवता का दिया संदेश

नवप्रदेश/लातेहार। जिला मुख्यालय के पहाड़पुरी मुहल्ले में रविवार को संयुक्त चर्च समिति के तत्वावधान में क्रिसमस गैदरिंग कार्यक्रम का आयोजन हथौल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि लाइफ केयर हॉस्पिटल के संचालक डॉ. सैमुअल लकड़ा, जीवन लकड़ा, फादर फिलिप एवं जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव ने संयुक्त रूप

सुकरी नदी के तट पर बसा प्राकृतिक चमत्कार

तत्तापानी सुकरी नदी के किनारे स्थित है। नदी की ठंडी धाराओं और गर्म जलकुंडों का यह संगम देखने लायक होता है। चारों ओर फैले घने जंगल, पहाड़ियों से आती ठंडी हवाएँ और बहते पानी की कल-कल ध्वनि—यह सब मिलकर ऐसा वातावरण रचते हैं, जो मन को गहराई से छू जाता है। यही कारण है कि जो भी एक बार यहाँ आता है, वह बार-बार आने की इच्छा करता है।

सल्फर युक्त पानी : प्राकृतिक औषधालय

तत्तापानी का सबसे बड़ा आकर्षण इसका सल्फर युक्त पानी है। वर्षों से यह विश्वास चला आ रहा है कि इस पानी में स्नान करने से कई प्रकार की बीमारियों में राहत मिलती है। खासकर चर्म रोग एक्जिमा खुजली दाद-खाज गठिया जोड़ों का दर्द से पीड़ित लोग यहाँ दूर-दूर से आते हैं। रविवार और त्योहारों के दिनों में तो यहाँ स्नान करने वालों की भीड़ लगी रहती है। लोग



घंटों तक गर्म पानी में बैठकर शरीर को आराम देते हैं और फिर ठंडे पानी से स्नान कर ताजगी महसूस करते हैं।

सर्दियों में ततापानी का अलग ही आनंद

सर्दियों के मौसम में तत्तापानी का आकर्षण कई गुना बढ़ जाता है। जब आसपास का इलाका ठंड से कांप रहा होता है, तब यहाँ के गर्म कुंड किसी वरदान से कम नहीं लगते। दिसंबर से जनवरी के बीच, विशेषकर नववर्ष और मकर संक्रांति के अवसर पर यहाँ हजारों पर्यटक पहुँचते हैं। पूरा क्षेत्र मानो एक बड़े पिकनिक स्थल में बदल जाता है।

भाजपा लातेहार में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण पर कार्यशाला आयोजित

लोकतंत्र की पवित्रता के लिए मतदाता सूची का शुद्धिकरण जरूरी : राजीव रंजन पांडेय

लातेहार। भारतीय जनता पार्टी, लातेहार के जिला कार्यालय में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने की। कार्यशाला को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए अध्यक्षता सह भाजपा नेता राजीव रंजन पांडेय ने कहा कि मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध और त्रुटिरहित बनाना है। इस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से मृत, स्थानांतरित और डुप्लीकेट



मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे।

नए मतदाताओं का नाम जोड़ा जाएगा

उन्होंने बताया कि जिन युवाओं की उम्र 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा। इसके अलावा मतदाता सूची में नाम, पता या फोटो से संबंधित किसी भी प्रकार की त्रुटि को दूर किया जाएगा, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक को अपने मताधिकार का सही उपयोग करने का अवसर मिल सके।

नए साल से पहले नेतरहाट में प्रशासन सख्त, पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर दर्जनों होटलों की औचक जांच

नवप्रदेश/लातेहार। नववर्ष के आगमन को देखते हुए पहाड़ी पर्यटन नगरी नेतरहाट में दिसंबर और जनवरी माह के दौरान पर्यटकों की संख्या में भारी बढ़ोतरी होती है। इसे ध्यान में रखते हुए पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। इसी क्रम में रविवार को महुआडांड अनुमंडल पदाधिकारी विपिन कुमार दुबे के नेतृत्व में नेतरहाट क्षेत्र में एक विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान दर्जनों होटलों और लॉजों की औचक जांच की गई।

शराब या आपतिजनक सामग्री नहीं मिली

जांच अभियान के दौरान किसी भी होटल से शराब अथवा अन्य आपतिजनक सामग्री की बरामदगी नहीं हुई, जो प्रशासन के लिए राहत की बात रही। हालांकि, इसके बावजूद सभी होटल संचालकों को



सख्त चेतावनी देते हुए स्पष्ट निर्देश दिया गया कि भविष्य में किसी भी परिस्थिति में होटल परिसर में शराब का भंडारण या परोसना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

नियमों के उल्लंघन पर होगी कठोर कार्रवाई

प्रशासन ने चेतावनी दी कि निर्देशों के बावजूद यदि किसी होटल में शराब परोसने या किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि पाई गई, तो संबंधित होटल संचालक के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर होटल का लाइसेंस रद्द करने तक की कार्रवाई भी की जा सकती है।

नेतरहाट की गरिमा और शांति सर्वोपरि



इस अवसर पर फादर फिलिप ने कहा कि प्रभु यीशु मसीह इस संसार में प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश देने आए थे। उन्होंने कभी हिंसा का समर्थन नहीं किया, बल्कि शांति, सह-अस्तित्व और आपसी सहयोग पर बल दिया। प्रभु यीशु की जीवनी हमें मिल-जुलकर समाज के निर्माण की सीख देती है।

भक्ति गीतों ने बांधा समां

कार्यक्रम में कोयर ग्रुप के सदस्यों द्वारा प्रभु यीशु मसीह के जन्म पर आधारित कई मधुर भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए, जिसने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन राजन ने किया। इससे पूर्व अतिथियों का पारंपरिक रीति-रिवाज से स्वागत किया गया।

बड़ी संख्या में मसीही समुदाय रहा उपस्थित

इस अवसर पर बड़ी संख्या में मसीही समुदाय के लोग उपस्थित रहे। सभी ने आपसी भाईचारे के साथ क्रिसमस की खुशियां साझा कीं और एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।

स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने की

ऐसे प्रयासों से न सिर्फ पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

प्रकृति की धरोहर, संरक्षण की जिम्मेदारी

तत्तापानी जैसी जगहें केवल देखने की वस्तु नहीं, बल्कि संरक्षण की जिम्मेदारी भी मांगती हैं। यदि समय रहते इसके प्राकृतिक स्वरूप को बचाया नहीं गया, तो अंतिक्रमण और गंदगी इसका सौंदर्य नष्ट कर सकती है। यह आवश्यक है कि पर्यटक भी अपनी जिम्मेदारी समझें और प्रकृति को नुकसान न पहुंचाएं।

विकास की असीम संभावनाएँ

यदि तत्तापानी को योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जाए, तो यह झारखंड का प्रमुख हेल्थ टूरिज्म डेस्टिनेशन बन सकता है। यहाँ जरूरत है सुरक्षित और व्यवस्थित स्नान कुंड साफ-सफाई और स्वच्छता व्यवस्था पर्यटकों के लिए विश्राम स्थल सूचना बोर्ड और मार्गदर्शन केंद्र

महुआडांड पारिश में क्रिसमस गैदरिंग धूमधाम से संपन्न



महुआडांड (लातेहार)। महुआडांड पारिश में क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन बड़े ही हथौल्लास और धूमधाम के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र मिस्सा पूजा से हुई, जिसका मुख्य अनुष्ठान फादर सुरेश द्वारा संपन्न कराया गया। अपने संदेश में फादर सुरेश ने प्रभु यीशु मसीह के जन्म के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रभु यीशु स्वर्ग से शांति, प्रेम, दया और क्षमा का संदेश लेकर धरती पर आए। उनका यह संदेश किसी एक धर्म या समुदाय के लिए नहीं, बल्कि समस्त मानव जाति के लिए है। उन्होंने कहा कि क्रिसमस का पर्व हमें आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देता है। प्रभु यीशु का जीवन सेवा, त्याग और करुणा का अद्भुत उदाहरण है, जिसे अपनाकर ही एक बेहतर समाज का निर्माण संभव है।

संयुक्त क्रिसमस गैदरिंग मिलन समारोह,एकता और भाईचारे का संदेश

बालूमाथ संवाददाता/ झारखंड क्रिश्चियन एसोसिएशन के बैनर तले रविवार 21 दिसंबर को बालूमाथ में एक भव्य संयुक्त क्रिसमस गैदरिंग मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन में बालूमाथ,बरियातू एवं हेरहंज प्रखंड क्षेत्र के सभी वर्गों की संयुक्त सहभागिता रहेगी। कार्यक्रम को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह और उत्सास का माहौल बना हुआ है।इस संयुक्त क्रिसमस समारोह में कैथोलिक चर्च, मेनोनाइट चर्च, सीजीएम चर्च, जेम्स चर्च, विश्ववाणी चर्च, ई.एल.एफ. चर्च तथा जी.ई.एल. चर्च के धर्मावलंबी एक मंच पर एकत्र होकर प्रभु यीशु मसीह के जन्मोत्सव को प्रेम, शांति और आपसी सौहार्द के साथ मनाएंगे।कार्यक्रम के दौरान सामूहिक प्रार्थना, भजन-कीर्तन, क्रिसमस संदेश, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं आपसी मिलन का आयोजन किया जाएगा। विभिन्न वर्गों के धर्मगुरु प्रभु यीशु के जीवन, त्याग और प्रेम के संदेश को साझा करेंगे। आयोजकों ने बताया कि इस संयुक्त क्रिसमस गैदरिंग का मुख्य उद्देश्य समाज में शांति, सद्भाव, भाईचारा और एकता को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि क्रिसमस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि मानवता, सेवा और प्रेम का संदेश है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मसीही समाज के लोग शामिल होंगे। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और इसे लेकर पूरे क्षेत्र में धार्मिक व सांस्कृतिक उत्सव जैसा वातावरण बन गया है। यह संयुक्त क्रिसमस गैदरिंग न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक एकता का भी सशक्त उदाहरण बनेगी।

हेमपुर गांव में स्वायत्त टेस्ट का ग्रामीणों ने किया विरोध,एनएलसी कंपनी के कर्मचारी लौटे बैरन

बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ थाना क्षेत्र के अंतर्गत धांधू नार्थ परियोजना स्थित हेमपुर गांव में एनटीपीसी की एनएलसी कंपनी द्वारा स्वायत्त टेस्ट मिट्टी जांच कराने पहुंचे कर्मचारियों को ग्रामीणों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों के विरोध के चलते कंपनी के कर्मचारी बिना स्वायत्त टेस्ट किए ही बैरन लौटने को विवश हो गए।ग्रामीणों का नेतृत्व कर रहे ग्राम प्रधान दिलेश्वर गंडू ने कहा कि गांव में किसी भी प्रकार का कार्य करने से पूर्व ग्राम सभा का आयोजन अनिवार्य है, जबकि इस मामले में न तो ग्राम सभा हुई और न ही ग्रामीणों से सहमति ली गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना ग्राम सभा की अनुमति कोई भी कंपनी गांव में प्रवेश कर कार्य नहीं कर सकती।ग्रामीणों का कहना है कि स्वायत्त टेस्ट के नाम पर आगे चलकर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है, जिससे उनकी खेती योग्य भूमि, जंगल और आजीविका पर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसी आशंका को लेकर ग्रामीणों ने एकजुट होकर विरोध बढ़ करया।ग्रामीणों ने प्रशासन और कंपनी प्रबंधन से मांग की कि किसी भी प्रकार की गतिविधि शुरू करने से पहले ग्राम सभा बुलाकर पूरी जानकारी दी जाए और ग्रामीणों की सहमति सुनिश्चित की जाए। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है, हालांकि फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में बिना ग्राम सभा के कोई भी कार्य करने का प्रयास किया गया तो वे व्यापक आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता पांचू महतो की तबीयत बिगड़ी, रिम्स में भर्ती



नवप्रदेश/रांची/खूंटी/कुंजुल। ग्राम कुंजुला निवासी एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता पांचू महतो की तबीयत शनिवार सुबह अचानक बिगड़ गई। परिजनों ने तत्काल उन्हें इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ चिकित्सकों ने बताया कि उनके सिर में ब्लड जम गया है। फिलहाल उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है और डॉक्टरों की एक विशेष टीम द्वारा लगातार इलाज किया जा रहा है। इस घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में चिंता का माहौल बन गया। भाजपा के कई कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। पूर्व जिला अध्यक्ष काशीनाथ महतो ने कहा कि वे इस दुख की घड़ी में पूरे परिवार के साथ हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि पांचू महतो जल्द स्वस्थ होकर वापस घर लौटें। परिवार के अनुसार, डॉक्टरों की सलाह पर सभी आवश्यक चिकित्सीय जांच और उपचार किए जा रहे हैं। गंघटन एवं क्षेत्रवासियों द्वारा लगातार उनके स्वास्थ्य को लेकर प्रार्थनाएं की जा रही हैं।

रांची-खूंटी रोड पर हिट-एंड-रन मामला



नवप्रदेश/रांची/खूंटी। समाजसेवी सह झामुमो कार्यकर्ता कमलेश महतो ने घायल दुर्गा राम से की मुलाकात; पुलिस से गहन जांच की मांग की सुबह लगभग 11:00 बजे रांची-खूंटी रोड स्थित जायसवाल ढाबा के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक अज्ञात तेज रफ्तार कार ने दुर्गा राम को जोरदार टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलते ही समाजसेवी सह झामुमो कार्यकर्ता कमलेश महतो एवं शमीम अंसारी ने आवास पहुंचकर पीड़ित का हाल-चाल लिया और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

मानवता की मिसाल:

दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय निवासी शीतल देवी और कामेश्वर कुमार ने तत्परता दिखाते हुए घायल दुर्गा राम को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। उनकी इस त्वरित सहायता के कारण ही पीड़ित को समय पर प्राथमिक उपचार मिल सका। कमलेश महतो ने इन दोनों युवाओं के साहस की सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणा बताया।

जांच का मांग:

चूंकि यह एक हिट-एंड-रन का मामला है, कमलेश महतो ने स्थानीय पुलिस प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। उन्होंने मांग की है कि जायसवाल ढाबा और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज की गहनता से जांच की जाए। फरार वाहन और उसके चालक की पहचान कर जल्द से जल्द कानूनी कार्रवाई की जाए। सड़क सुरक्षा मानकों को और कड़ा किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

कमलेश महतो का बयान:

दुर्गा राम जी के साथ हुई यह घटना अत्यंत दुःखद है। अज्ञात वाहन चालक की लापरवाही ने एक व्यक्ति की जान जोखिम में डाल दी। मैं प्रशासन से अपील करता हूँ कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करें ताकि पीड़ित को न्याय मिल सके।

मध्यम वर्गीय महिलाओं की पहचान है मेहनत

मध्यम वर्ग की कामकाजी महिलाएं अपना सपोर्ट सिस्टम बनाने के लिए कितना कुछ खर्च कर देती हैं। बच्चे के रखरखाव के लिए फुल टाइम मेड रखना बहुत मंहगा है। बच्चे को क्रेच छोड़ना भी अच्छी खासी मशक़त है। उसे लाना ले जाना तो भारी पड़ता ही है। इस सेवा का भुगतान करना भी कोई कम मंहगा नहीं। उस पर ट्यूशन का भी खर्च है। इसके साथ ही कपड़ों की धुलाई, ट्रांसपोर्ट और अन्य ढेर सारे खर्चें ऐसे हैं जिन्हें महिलाएं घर में रहने पर बचा सकती हैं। फिर अपनी मेंटीनेंस भी तो है। बाहर निकलने के लिए अच्छे कपड़े, फुटवियर और कॉस्मेटिक्स भी चाहिए। जितनी तनख्वाह है कमवेश बाहर आने की लागत में ही खर्च हो जाती है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि वे अपनी भागदौड़ किसलिए बनाए हुए हैं? ऐसी कोई संतुष्टि तो है जो उन्हें इतना कुछ करने का हौसला देती है। दुनियाभर की महिलाओं का सामना करने का साहस देती है।

बढ़ जाती है अहमियत

एक सैटिसफैक्शन है कि सोसाइटी को कुछ दे रहे हैं। बारह महीने में अगर 120 बच्चों को भी अच्छी तरह से पढ़ा दूं तो लगता है कि कुछ प्राप्त किया है। बेहतर

समाज के निर्माण में कोई भूमिका निभाई है। कहती हैं अध्यापिका सरिता दास। वह ग्यारह साल तक हाउसवाइफ रहीं, सभी कुछ ठीक था, लेकिन अपनी पहचान बनाने और समाज को अपनी सेवाएं देने के उद्देश्य से उन्होंने आखिर जाँब करने की ठान ली। वह मानती हैं कि जब घर में थीं तब भी उनका खर्चा अच्छा चलता था और बाहर निकलने पर अब उनके खर्चें बढ़ गए हैं, लेकिन अपनी जिंदगी में आए बदलावों से वह खुश हैं। वह कहती हैं, मैंने ढेर से नौकरी शुरू की। जब बच्चा चार साल का हो गया तब। जाँब करने के बाद मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी अहमियत बढ़ गई है। समाज में हाउसवाइफ को इतनी इज्जत नहीं मिलती जितनी मिलनी चाहिए। दूसरे, अब मेरे पास गॉसिप्स के लिए टाइम ही नहीं है। घर में किचकिच, पति से आरग्यूमेंट और इनलॉज के साथ बहस करने का तो अब समय ही नहीं होता। काम करने का सैटिसफैक्शन भी है और घर में शांति का सुकून भी।

अपनी आइडेंटिटी के लिए

सरिता दास के बेटे ने फोटोग्राफी को अपना प्रोफेशन चुना है। बेटे के कैमरे और अन्य सामानों पर उन्हें लाखों खर्च करना पड़ा। इस खर्च को वह मैनेज कर पाई, कहीं से लोन नहीं लेना पड़ा, इसकी खुशी है उन्हें। बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलवाना हर माता-पिता की ख्वाहिश होती है। आमतौर पर घर के लाइफस्टाइल में बदलाव लाने और बच्चों के लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं जुटाना भी महिलाओं की जाँब का सबब बनता है। इसके लिए उन्हें कई तकलीफों का सामना करना पड़ता है, खर्चा भी बढ़ता है, लेकिन वे अपनी जाँब को रगुलर रखती हैं। हां, जब उन्हें लगता है कि नन्हें बच्चे को उनकी ज्यादा जरूरत है तो वे ब्रेक लेने से भी परहेज नहीं करतीं। पुणे की एक कंपनी की



महिलाएं अब पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आत्मविश्वास से खरीददारी करती हैं। उनकी खरीददारी महज अपने लिए नहीं, परिवार की जरूरतें पूरी करने के लिए भी होती है। समझदारी से खर्च करने का यह गुण भी उनमें पुरुषों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। सरिता कहती भी हैं, जाँब में आने के बाद इकोनॉमिक इंडिपेंडेंस तो आई ही है।

डायबिटीज उपचार के लिए आयुर्वेदिक उपाय

विजयसार

विजयसार पेड़ की छाल मधुमेह रोगियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह न केवल रक्त में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करती है, बल्कि इंसुलिन के स्त्राव को बढ़ावा देने और शरीर से अतिरिक्त वसा को बाहर निकालने में प्रभावी है। यह रक्त में स्वस्थ लिपिड स्तर को बनाए रखती है और मधुमेह के साथ जुड़ी विभिन्न जटिलताओं से भी बचाती है। आयुर्वेदिक ग्रंथों और आधुनिक वैज्ञानिक शोध के अनुसार विजयसार मधुमेह के लिए एक उत्कृष्ट जड़ी बूटी है। आप पानी के साथ इसकी छाल के चूर्ण या पाउडर का उपयोग कर सकते हैं। आप हर्बल छाल गिलास भी पी सकते हैं। बस बिस्तर पर जाने से पहले हर्बल छाल गिलास में पानी भरें और इसे रात भर छोड़ दें। अगली सुबह यह पानी पिंप जिसका रंग अब तक भूरे रंग में बदल चुका होगा। यह मधुमेह रोगियों के लिए एक विशेष उपाय है।

गुडमार

हिंदी में गुडमार का मतलब है 'चीनी का नाश' और पारंपरिक रूप से गुडमार मधुमेह के इलाज के लिए आयुर्वेद में इस्तेमाल किया जाता है। यह रक्त में शर्करा के स्तर को कम करने और शरीर में इंसुलिन बढ़ने में सहायक होता है। यह अवशोषण और वसा में चीनी के रूपांतरण की प्रक्रिया को धीमा कर देता है। यह शरीर की चयापचय गतिविधियों का समर्थन करता है, वजन का संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है और रक्त में कोलेस्ट्रॉल के सही स्तर को भी बनाए रखता है। दैनिक रूप से गुडमार की कुछ पतियों को चबाना या 400 मिलीग्राम गुडमार चूर्ण से चाय बनाकर पीना आपके रक्त प्रवाह में चीनी मारने के लिए काफी है।

त्रिफला

त्रिफला रोगों के इलाज के लिए आयुर्वेद में सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली जड़ी बूटियों में से एक है। जैसा की इसके नाम से पता चलता है कि यह तीन फलों का एक संयोजन है। ये सभी तीन शक्तिशाली जड़ी बूटी हैं और त्रिफला इन

तीनों के बहुमूल्य औषधीय गुणों को मिलाती है। यह अग्न्याशय के कामकाज का समर्थन करती है और इंसुलिन के स्त्राव को बढ़ावा देती है। आप गर्म पानी के साथ 1-2 चम्मच त्रिफला चूर्ण का उपभोग कर सकते हैं या यह बेहतर होगा अगर आप इसे लेने से पहले एक विशेषज्ञ या डॉक्टर से परामर्श करें।

जामुन

जामुन या काले बेर में ग्लाइकोसाइड होता है जो रक्त शर्करा के स्तर पर रोक लगाने में मदद करता है। यह मधुमेह के लिए एक शक्तिशाली जड़ी बूटी

के रूप में कार्य करता है और चीनी को ऊर्जा में परिवर्तित करके मधुमेह के प्रभाव को खत्म करता है। तो जल्दी से अपने रसोई घर की ओर जाएं और जामुन के बीजों को पीसकर एक महीन पाउडर बनाएं और दैनिक रूप से 3 ग्राम पाउडर मूठे के साथ दो बार लें।

करेले का रस

हर सुबह खाली पेट एक कप करेला का रस पीने से शर्करा के स्तर को कम करने में मदद मिलती है और लगातार पेशाब से राहत भी मिलती है। इसमे एक सक्रिय घटक है जिसे चरन्तिन (charantin) कहते हैं जो सबसे अधिक प्रभावी रूप से रक्त में

शर्करा के स्तर को कम करने में मदद करता है। आप इसके बीज को बाहर निकालकर एक महीन करेला पाउडर बनाकर दैनिक रूप से इसका उपभोग भी कर सकते हैं।

शिलाजीत

शिलाजीत रक्त में ग्लूकोज को जमा होने से रोकता है और स्वस्थ रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है। यही कारण है कि यह 'मधुमेह विनाशक' के रूप में भी जाना जाता है। यह अग्न्याशय के कामकाज और इंसुलिन के स्त्राव को बढ़ावा देने में मदद करता है और बाहरी इंसुलिन पर निर्भरता कम करने में भी सहायक है। यह मधुमेह तंत्रिकाविकृति (neuropathy) में उपयोगी है और यह मधुमेह की वजह से थकान पर काबू पाने में भी मदद करता है। आप दैनिक रूप से 100mg शिलाजीत चूर्ण का उपभोग कर सकते हैं।

हल्दी

ह ल द ी अ प न ी शक्तिशााली चिकित्सा शक्तियों के लिए जानी जाती है और हर किसी के रसोई घर में इसका अपना विशेष स्थान है। यह रक्त में शर्करा के स्तर को कम करती है और मधुमेह के मूल कारणों को हल करने में भी मदद करती है। प्रभावी और जल्दी परिणाम के लिए आँवला और हल्दी को मिला सकते हैं। बस आप अपने आहार में हल्दी की 2-3 ग्राम खुराक शामिल करें और इसके लाभ का आनंद लें।

नीम के पत्ते

नीम के पत्ते औषधीय मूल्य से भरे हुए हैं और ये आसानी से उपलब्ध भी हो जाते हैं। नीम कफ दोष का संतुलन बनाए रखता है और इंसुलिन अर्क पर निर्भरता को कम करता है। वैदिक और पारंपरिक

स्वास्थ्य से संबंधित शास्त्रों में उल्लेख किया गया है कि नीम मधुमेह की हालत में सुधार करता है। यह न केवल शरीर में शर्करा के स्तर को कम करता है, बल्कि रक्त के प्रवाह को सामान्य बनाकर हृदय विकार जैसी जटिलताओं को रोकने में भी मदद करता है। आप नीम के 4-5 पत्ते चबा सकते हैं या इनका रस भी पी सकते हैं। (और पढ़ें ड़् नीम के फायदे और नुकसान)

मेथी के बीज

मेथी के बीज में ट्राइगोनैलीन (trigonelline) और अल्कालॉयड (alkaloid) होते हैं जो रक्त से अधिक मूत्र बाहर कर रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में सहायक हैं। यह पाचन और कार्बोहाइड्रेट के अवशोषण की प्रक्रिया को भी धीमा करते हैं और शरीर के शर्करा या ग्लूकोज के इस्तेमाल करने के तरीके में सुधार लाते हैं। मेथी के बीजों को पीसकर एक महीन पाउडर बनाएं और रोज़ सुबह एक चम्मच का सेवन करें। आप इसकी चाय भी पी सकते हैं या इसे अपने भोजन में शामिल कर सकते हैं। लेकिन आपको इसके उपयोग से बचना चाहिए जब आप गर्भ धारण करने की कोशिश कर रहे हों, गर्भवती हों या बच्चे को जन्म दिया हो। दूसरों के लिए वैसे यह सुरक्षित है पर 6 महीने से अधिक इसके उपयोग से बचना चाहिए।

उच्च शर्करा से लड़ने में करेंगे मदद बेल के पत्ते अगर आप अपने उच्च रक्त शर्करा के स्तर के बारे में चिंतित हैं, तो जल्दी से बेल के कुछ पत्ते तोड़ें और उन्हें पीसकर उनका रस निकालें (लगभग 20 ml)। इसमे काली मिर्च की एक चुटकी मिलाएं और यह आपके रक्त में उच्च शर्करा से लड़ने में मदद करेंगा।

जड़ी बूटियाँ मधुमेह के उपचार के लिए एक शक्तिशाली उपाय हैं। इन जड़ी बूटियों के नियमित रूप से उपयोग और साथ ही व्यायाम या योग करने से आप एक स्वस्थ और सुखी जीवन व्यतीत कर सकते हैं। परंतु इनमें से किसी को भी आजमाने से पहले अपने चिकित्सक से राय अवश्य लें और रक्त में शुगर की जांच नियमित कराते रहना चाहिए।

रिक्वेटमेंट स्पेशलिस्ट ऋचा पटनायक कहती हैं, मुझे अपने छोटे बच्चे को क्रेच में छोड़ना पड़ता था। पास में कोई फैमिली मेंबर नहीं था उसकी देखभाल के लिए। बच्चे की मुश्किलें देखकर मुझे जाँब छोड़नी पड़ी, लेकिन घर पर मुझे अपनी जिंदगी अनार्थक लगने लगी। मुझे महसूस होने लगा कि ज्यादा अनं करोगे तभी तो बच्चे को अच्छी शिक्षा दिलवा सकेंगे। उन्हें अच्छे स्तर की परवरिश दे सकेंगे। जब दिल्ली से मम्मी मेरे पास रहने के लिए आ गई, तब फिर से मैंने नौकरी जॉइन कर ली। नो डाउट मुश्किलें बहुत हैं, लेकिन अपनी आइडेंटिटी भी तो है, जो दिल को खुशी देती है।

आर्थिक आजादी है मुद्दा

आर्थिक आजादी की चाहत भी महिलाओं को घर से बाहर निकलकर नौकरी के विकल्प ढूँढ़ने के लिए प्रेरित करती है। एक मार्केट रिसर्च फर्म के मुताबिक शहरी महिलाओं की आमदनी में वृद्धि हुई है। यह तकरीबन दोगुनी हो गई है। रिसर्च के मुताबिक इस बदलाव का सीधा असर महिलाओं की हैसियत और घर के रखरखाव पर पड़ता दिख रहा है। महिलाएं अब पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आत्मविश्वास से खरीददारी करती हैं।

उनकी खरीददारी महज अपने लिए नहीं, परिवार की जरूरतें पूरी करने के लिए भी होती है। समझदारी से खर्च करने का यह गुण भी उनमें पुरुषों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। सरिता कहती भी हैं, जाँब में आने के बाद इकोनॉमिक इंडिपेंडेंस तो आई ही है। पहले हर छोटी से छोटी चीज के लिए पति से पैसे मांगने पड़ते थे। छोटी-छोटी बात के लिए भी पूछना पड़ता था। अब खुद भी खरीद सकती हूं। कुछ ऐसा ही ऋचा भी कहती हैं, खर्चें बढ़े हैं तो माइनस-प्लस करेंगे, लेकिन जाँब करते हैं तो हाथ खुला रहता है। जब मन करे तब जो चाहो खरीद लो।

चाइनीज पनीर

दो लोगों के लिए

बनाने की सामग्री:

100 ग्राम पनीर, 1 टे.स्पून हरी मिर्च (कटी हुई), 1 टे.स्पून लहसुन (कटा हुआ), 1 टे.स्पून अदरक (कटा हुआ), 1 टे.स्पून कॉर्न फ्लार, 4 टे.स्पून सोया सॉस, 2 टी स्पून चिली गार्लिक सॉस,

2 चुटकी चीनी, 1 टे.स्पून रिफाइंड ऑयल।

बनाने की विधि

पनीर को तेल में हल्का सा तल लें। एक बर्तन में तेल गर्म करें उसमें हरी मिर्च, लहसुन और अदरक डालकर कुछ देर तक पकाये। सोया सॉस, चिली-गार्लिक सॉस और चीनी डालकर मिश्रण को गाढ़ा होने तक पकाये। पनीर डालकर 1 मिनट तक और पकाये। गर्मागर्म सर्व करें।

मूली मकई की रोटी

दो लोगों के लिए

बनाने की सामग्री: 1 कप मक्की का आटा, 1/2 कप कसी हुई मूली, 1 टी स्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल।

बनाने की विधि: सभी सामग्रियों को मिलाकर गरम पानी डालकर मुलायम आटा गूंथ लें। अब इस मिश्रण को लोईयां बनाकर बेल लें और गरम तवे पर दोनों तरफ से करारा सेंक लें। गर्मागर्म मूली मकई रोटी देसी घी लगाकर साग या मनपसंद अचार या चटनी के साथ सर्व करें। आप चाहे तो इसके दोनों तरफ घी या तेल लगाकर इसके परांठे भी बना सकते हैं।



ईशा

गुवाहाटी से सौ किलोमीटर की दूरी पर है मेघालय की राजधानी शिलांग। 1500 मीटर की ऊंचाई पर बसा यह शहर %पूर्व का स्कॉटलैंड% माना जाता है। खासी पहाड़ों में बसा यह शहर खुद में प्रकृति का अद्भुत सौंदर्य समेटे हुए हैं। असम में अलग होने के बावजूत आज भी लोग इसे असम की राजधानी समझते हैं। गुवाहाटी से शिलांग के रास्ते में अनानास और पान के पेड़ अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करते हैं। शिलांग में पाइन के जंगल हैं। पहाड़ों पर घनी झाड़ियां भी ध्यान खींचती हैं। शिलांग को प्रकृति का वरदान मिला हुआ है। यहां की खूबसूरत झील और झरने प्रकृति का बेहतरीन खजाना है। बर्फ से ढकी पहाड़ियां ऐसी लगती हैं मानो सफेद चादर बिछी हो। यह अंग्रेजों का पसंदीदा हिल स्टेशन रहा है। यहां गोल्फ कोर्स और एक पोलो मैदान भी है। यहां का गोल्फ कोर्स पूरे भारत में सबसे बेहतरीन माना जाता है। शिलांग में देखने के लिए कई जगह हैं, जो बेहद मनोहारी हैं। जैसे यूनियम लेक, वार्डस लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड, मिनी चिड़ियाघर, एलिफेंट फॉल्स, शिलांग पीक और गोल्फ कोर्स। यहां कई वाटर फॉल्स देखने लायक हैं जैसे बिशॉप और बिर्डन फॉल्स, गुनर फॉल्स।

वार्ड लेक- यह एक आर्टिफिशियल झील राजभवन



के नजदीक है। घोड़े की नाल के आकार की इस झील पर खूबसूरत पुल बना है। यह झील बोटिंग के लिए प्रसिद्ध है। बोटनिकल गार्डन और म्यूजियम भी इसके



तर्ज पर डिजाइन किया गया है।

बटरफ्लाई म्यूजियम- यहां तितलियों को पाला जाता हैं। यहां पर माउटेड बटरफ्लाईस और बीटल भी देखे जा सकते हैं। ये बटरफ्लाईस भारत और विदेश में पाई जाती है।

बड़ा बाजार- बड़ा बाजार यहां के आम निवासियों के रंग में रंगा रहता है। रंग बिरंगे कपड़े पहने यहां के लोग इस बाजार में समान खरीदते और बेचते देखे जा सकते हैं।

शिलांग पीक- शिलांग से करीब दस किलोमीटर की दूरी पर हैं- शिलांग पीक। इसे भगवान का स्थान भी कहा जाता है। 1960 मीटर की ऊंचाई से बेहतरीन दृश्य प्रस्तुत करता है। हालांकि यह क्षेत्र वायुसेना के अधीन है। इसलिए इजाजत लेना और अपनी जानकारी देना जरूरी है।

क्रीनोलाइन फाल्स- यह स्वीमिंग पूल जैसा है, जो चारों तरफ से आर्किड, बोनसाई, रॉकपूल और वाटर फिली से घिरा है। यहां स्वीमिंग करने का मजा ही अलग है।

एलिफेंट फाल्स- शहर से 12 किलोमीटर दूर यह दर्शनीय स्थल है। यहां पर चट्टानों के बची बहते दो झरने पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। नवम्बर से मई के बीच में

ये झरने सूखे पड़े होते हैं पर जून से लेकर अक्टूबर तक यह नजारा देखने लायक होता है।

गोल्फ क्लब- इस क्लब में 18 होल गोल्फ कोर्स और एक पोलो ग्राउंड है। 1898 में इस क्लब की स्थापना की गई। यह विश्व का सबसे बेहतरीन गोल्फ क्लब में से एक है। आसपास मौजूद पाइन और रोडोडेडोन के पेड़ और मखमली घास इसे और भी खूबसूरती बनाती है। शिलांग के आसपास कई ऐसी जगह हैं जहां आप जा सकते हैं। शिलांग से लगभग 64 किलोमीटर दूर है जैकोरेम। यहां मशहूर हेल्थ रिजॉर्ट के साथ-साथ गर्म सल्फर झील भी है। शिलांग से 55 किलोमीटर दूर मसयंरम से चेरापूंजी से भी ज्यादा बारिश होती है। यहां का मुख्य आकर्षण हैं प्राकृतिक शिबलिंग। गुफा में मौजूद इस शिबलिंग पर प्राकृतिक रूप से पानी टपकता रहता है। यह हिंदुओं का मुख्य धार्मिक स्थल है। यहां का प्राकृतिक दृश्य दर्शनीय है। चेरापूंजी शिलांग से 56 किलोमीटर दूर है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के मुताबिक यह धरती की सबसे नम जगह है। यहां सबसे ज्यादा बारिश का रिकार्ड है। अब यह रिकार्ड मसयंरम के खाते में चला गया है। शिलांग जाने का सबसे बेहतरीन समय हैं अक्टूबर से मई के बीच। यहां जाने के लिए किसी भी यातायात माध्यम का इस्तेमाल किया जा सकता है। ●●●



कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब,

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, परांठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्पाउटस या ड्राईफ्रूट्स आदि खाएं हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खटटी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।



आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है।
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डाइट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छाछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से



लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।



बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।



चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बैचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है ?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं

सभी एक्जुप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्जुप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।



आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं।

गीला कपड़ा - आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है। नारियल का तेल - नारियल तेल में मौजूद गुण आंखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा। हर्बल टी - कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पतियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो। नमक - कई बार आंखों में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में



शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है।

ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डाइट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लंबे समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

शुभमन गिल को टी20 विश्व कप से बाहर रखने का फैसला टीम हित में लिया गया: सोर्स

नई दिल्ली, ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीम इंडिया स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। शुभमन गिल को भारतीय टीम से बाहर रखा गया है। टी20 फॉर्मेट में उप-कप्तान रहे गिल को टीम से बाहर रखने का मुद्दा चर्चा का विषय बन गया है। आईएनएस को इस मामले में मिली जानकारी के मुताबिक, टी20 विश्व कप 2026 से शुभमन गिल को बाहर रखने का फैसला मुश्किल था, लेकिन टीम के लिए जरूरी था। यह टीम हित में लिया गया फैसला है। टीम मैनेजमेंट को यह एहसास हो गया था कि टी20 में शुभमन गिल को लाए जाने की योजना सफल नहीं रही। इसलिए विश्व कप से उन्हें ड्रॉप कर दिया गया। संजू सैमसन को अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के लिए शुभमन गिल से बेहतर विकल्प माना जा रहा है। गिल का टी20 में प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। गिल ने टी20 की पिछली 15 पारियों में 24.25 की औसत से



और 137.26 के स्ट्राइक रेट से महज 291 रन बनाए हैं। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव

का प्रदर्शन भी टी20 में लंबे समय से निराशाजनक रहा है। उन्होंने अपनी पिछली

22 पारियों में सिर्फ 244 रन बनाए हैं, और एक भी फिफ्टी नहीं लगाई है। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए सूर्यकुमार यादव की टीम में जगह नहीं बनती है, लेकिन मैनेजमेंट ने विश्व कप से ठीक पहले टीम में बदलाव करना उचित नहीं समझा। सूर्यकुमार विश्व कप में कैसा प्रदर्शन करते हैं, उसी आधार पर टी20 में उनके भविष्य का फैसला होगा। विश्व कप में विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन और मध्यक्रम बल्लेबाज रिकू सिंह की एंट्री हुई है। इन दोनों के चयन पर सोशल मीडिया पर सकारात्मक प्रतिक्रिया आई है।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, वरुण चक्रवर्ती, शिवम दुबे, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अक्षर पटेल (उपकप्तान), अर्शदीप सिंह, वाशिंगटन सुंदर, रिकू सिंह, हार्दिक पंड्या, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह।

गोल्फर सुखमन सिंह ने जीती आईजीयू एमेच्योर चैंपियनशिप ऑफ इंडिया

कोलकाता, ।

नोएडा के गोल्फर सुखमन सिंह ने 124वीं एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप ऑफ इंडिया जीती, जिसका आयोजन इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) की ओर से किया गया था। यह चैंपियनशिप दुनिया के सबसे पुराने एमेच्योर मैचप्ले इवेंट के रूप में जानी जाती है। सुखमन सिंह ने 36-होल के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा के हरमन सचदेवा को शिकस्त दी। सुखमन सिंह ने 29वें होल तक 7-अप की बढ़त बना ली थी जिसे पार करना मुश्किल था। आत्मविश्वास से भरे पुट और दमदार लॉन्ग गेम के साथ, सुखमन ने फाइनल की शुरुआत से ही लगातार प्लेय को निशाना बनाया। वह छठे होल तक बराबरी पर थे, इसके बाद 12 होल के बाद 4-अप हो गए, और पहले 18 होल के बाद 2-अप पर बने रहे। हालांकि हरमन ने 23वें होल तक अपनी बढ़त को तीन स्ट्रोक तक कम कर दिया था, लेकिन उसके बाद



सुखमन टॉप फॉर्म में थे, उन्होंने लगातार बड़ी लगाकर 25वें होल तक अपनी बढ़त को 6-अप तक बढ़ा दिया। जब वह 29 होल के बाद 7-अप हो गए, तो टूर्नामेंट डायरेक्टर ने आधिकारिक तौर पर उन्हें विजेता घोषित कर दिया, क्योंकि उनकी बढ़त इतनी ज्यादा थी कि उसे पार करना नामुमकिन था। सुखमन के पिता सिमरजीत सिंह पूर्व इंडिया नंबर 1 एमेच्योर रहे हैं, जिन्होंने तीन बार श्रीलंकाई एमेच्योर और आईजीयू मिड-एमेच्योर चैंपियनशिप अपने नाम की है। खिताब जीतने के बाद सुखमन सिंह ने कहा, यह एक सपने जैसा लगता है। यकीन नहीं हो रहा कि मैंने सच में इसे जीत लिया है। मैं पूरी जिंदगी इसके लिए मेहनत कर रहा था, लेकिन आखिरकार इसे जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का पल है। मेरे पिता ने मुझे हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और उस समय मुझ पर भरोसा रखा, जब मुझे खुद पर विश्वास नहीं था। इसलिए, यह मेरे और मेरे परिवार के लिए खुशी का समय है।

संक्षिप्त समाचार

रोहित ने साहा को सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक बताया



मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने विकेटकीपर बल्लेबाज विद्धिमान साहा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसे वह स्थान नहीं मिला जो मिलना चाहिये था। रोहित का मानना है कि साहा देश के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक हैं। साथ ही कहा कि उनका तकनीकी कौशल अच्छा है। वह तेज और विविधता भरी गेंदबाजी के खिलाफ एक बेहतरीन विकेटकीपर रहे हैं। उनकी विकेट के पीछे कैच पकड़ने और स्टंपिंग की क्षमता जबरदस्त रही है। साहा ने रविन्द्र जडेजा और आर अश्विन की गेंदबाजी के सामने भी काफी कठिन कैच लिए हैं। इससे वह भारत का सबसे कुशल विकेटकीपर बनाता है। रोहित न साहा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्हें भारत में ऐसा विकेटकीपर कभी नहीं देखा। टेस्ट मैच में गेंद अक्सर घूमती और नीची रहती है पर साहा कभी गलती नहीं करते थे। जडेजा और अश्विन जैसी स्पिनरों के सामने सभी वह आसानी से विकेटकीपिंग करते थे। को सहजता से इससे बाद भी उनकी काफी कम तरीफ हुई है। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में साहा ने महेन्द्र सिंह धोनी और ऋषभ पंत की तरह से काम किया है हालांकि साहा की शैली और तकनीक पारंपरिक रही है। साहा ने 40 टेस्ट मैचों में 104 शिकार किये हैं। जिनमें 92 कैच और 12 स्टंपिंग्स शामिल हैं। वहीं बल्लेबाजी में उन्होंने 1,353 रन बनाए, जिनमें 3 शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 9 एकदिवसीय ही खेले हैं। जहां धोनी तेज से कीपिंग करते थे वहीं साहा शैली में धीमे से अपना कौशल दिखाते हैं।

अब विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे शमी

नई दिल्ली ।

पिछले काफी समय से भारतीय टीम के बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब बंगाल की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे। शमी ने इस बार घरेलू सत्र में शानदार गेंदबाजी करते हुए 36 विकेट लेकर अपने फॉर्म को और फिटनेस को दिखाया है। साबित करने का काम किया शमी को इसके बाद भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक भी प्रारुप में जगह नहीं मिली थी। ऐसे में वह अपना गुस्सा विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर



निकालेंगे। चैम्प्यंस ट्रॉफी के बाद से ही से ही शमी राष्ट्रीय टीम से बाहर है। इसके पीछे उनके फिट नहीं होने का कारण बताया गया है। वहीं शमी ने घरेलू मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन कर दिखाया है कि अभी उनमें काफी क्रिकेट शेष है। लाल गेंद से शमी ने सत्र में चार रणजी मैचों में 20 विकेट लिए, जिसमें उनका औसत 18.60 रहा। इसके बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी शमी का बेहतरीन फॉर्म जारी रखी और सात मैचों में उन्होंने 16 विकेट लिए। इस दौरान उनका औसत 14.93 का रहा। विजय हजारे ट्रॉफी में शमी बंगाल के गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। उनका सहयोग आकाश दीप और मुकेश कुमार करेंगे। बंगाल की कप्तानी अभिमन्यु ईश्वरन के पास है। टीम को एलीट ग्रुप बी में रखा गया है जिसमें उसे अपना पहला मैच 24 दिसंबर को राजकोट में विदर्भ के खिलाफ खेलना है। इस ग्रुप में असम, बड़ौदा, जम्मू-कश्मीर, हैदराबाद, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश की टीमों भी शामिल हैं। टूर्नामेंट अहमदाबाद (ग्रुप ए), राजकोट (ग्रुप बी), जयपुर (ग्रुप सी) और अलूर (ग्रुप डी) में खेला जाएगा, जबकि नॉकआउट मैच 12 से 18 जनवरी तक बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होंगे।

स्टेन ने हार्दिक को सुपरहीरो और सेलिब्रिटी खिलाड़ी बताया

मानसिक रुप से मजबूत होने के कारण अन्य खिलाड़ियों पर रहते हैं हावी

अहमदाबाद ।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने आक्रामक पारी खेलने वाले भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें सुपरहीरो कहा है। स्टेन ने कहा कि पांड्या मानसिक रूप से काफी मजबूत खिलाड़ी हैं और उनकी चमक खेल में नजर आती है। पांड्या ने पांचवे टी20 में तेजी से अर्धशतक लगाते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। स्टेन ने कहा, ह्यह्यहार्दिक ने शानदार प्रदर्शन किया। वह एक खिलाड़ी से आगे निकलकर से सेलिब्रिटी बन गये हैं। वह किसी एक फिल्म के सुपरहीरो जैसे हो गये हैं जहां कोई भी उनकी रणनीति नहीं बदल सकता।



उन्होंने कहा, ह्यह्यहइसमें कोई गलती जैसे बात नहीं है, ये अपनी धाक जमाने जैसी बात है। यह एक ऐसा प्रभाव है जिसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता। आप इसे उनकी भाव भंगिमा में देख सकते हैं। वह मानसिक रूप से एक अलग ही स्तर पर हैं। इस प्रकार वह अन्य खिलाड़ियों से आगे है। स्टेन ने कहा कि उनके तेज गेंदबाजों का रुख सतर्क नहीं रहा। जिससे उनकी टीम को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, ह्यह्यहभारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रभाव अलग ही है। अगर आप उन्हें हावी होने का अवसर देते हैं तो ये नुकसानदेह रहेगा। वहीं दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने उनके सामने सतर्क रुख अपना नुकसान उठाया।

टी20 विश्व कप टीम में ईशान के चयन से खुश दादा-दादी, भारत के खिताब जीतने की उम्मीद

पटना, ।

ईशान किशन को टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। ईशान के चयन से उनके दादा-दादी बेहद खुश हैं। परिवार को उम्मीद है कि यह 27 वर्षीय खिलाड़ी देश को विश्व कप खिताब जिताने में मदद करेगा। ईशान किशन नवंबर 2023 के बाद से भारतीय टीम में जगह नहीं बना सके हैं। इस बीच उन्होंने घरेलू स्तर पर तीनों फॉर्मेट खेले, जिसमें बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने हाल ही में बतौर कप्तान झारखंड को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जिताई। फाइनल मैच में ईशान ने 101 रन की पारी खेली थी। ईशान किशन के दादा शत्रुघ्न प्रसाद ने आईएनएस से कहा, यह सिर्फ मेरे लिए नहीं, बल्कि पूरे बिहार और पूरे हिंदुस्तान के लिए बहुत खुशी की बात है। एक अच्छा खिलाड़ी टीम से बाहर था, लेकिन अब वह वापस आ गया है। यह टीम के लिए अच्छा रहेगा। हमें उनसे काफी उम्मीदें हैं। टी20 वर्ल्ड कप में ईशान किशन के चयन पर दादी सावित्री देवी ने कहा, यह पहले ही हो जाना चाहिए था। हमें इसकी पहले से ही उम्मीद थी। ईशान के चयन से हम बहुत खुश हैं। हम इसके लिए चयनकर्ताओं को धन्यवाद देते हैं। आज हम बहुत खुश हैं। हम इसके लिए पूरी सिलेक्शन कमेटी और सभी सिलेक्टरों को धन्यवाद देते हैं। आपने हमारे बेटे के टैलेंट को पहचाना है। ईशान भारत को ट्रॉफी जिताने में मदद करेंगे। एक फैन ने कहा, हम बहुत समय से इंतजार कर रहे थे कि उन्हें टीम में कब सेलेक्ट किया जाएगा। आखिरकार, हम उन्हें भारत की ओर से खेलते देखेंगे। यह बहुत रोमांचक होगा। इस बार वर्ल्ड कप पटना आएगा। हम इस पल का बहुत समय से इंतजार कर रहे थे। विश्व कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम की कप्तान सूर्यकुमार यादव के हाथों में है। उनके अलावा, इस टीम में तिलक वर्मा, वरुण चक्रवर्ती, शिवम दुबे, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अक्षर पटेल (उपकप्तान), अर्शदीप सिंह, वाशिंगटन सुंदर, रिकू सिंह, हार्दिक पंड्या, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह को मौका दिया गया है।

प्रतिका रावल ने रिहैब पर अपडेट दिया, शुभचिंतकों से मिले संदेशों के लिए जताया आभार

नई दिल्ली, ।

भारतीय क्रिकेटर प्रतिका रावल ने अपनी चोट पर अपडेट देते हुए बताया कि वह तेजी से रिकवरी कर रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने शुभचिंतकों से मिले संदेशों के लिए आभार जताया है। अक्टूबर में डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए महिला विश्व कप 2025 के लीग स्टेज मैच के दौरान प्रतिका रावल को दाहिने टखने और घुटने में चोट लगी थी। परिणामस्वरूप, उन्हें टूर्नामेंट के नॉकआउट मुकाबलों से बाहर बैठना पड़ा था। प्रतिका रावल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैं पिछले कुछ दिनों में मिली शुभकामनाओं के लिए सभी को धन्यवाद देना चाहती थी। मैं अच्छी

तरह से ठीक हो रही हूं। मैं बेहतरीन मेडिकल सपोर्ट के लिए आभारी हूं, और जल्द ही मैदान पर वापसी का इंतजार कर रही हूं। 24 वर्षीय प्रतिका रावल ने महिला वनडे विश्व कप 2025 में 7 मैच खेले, जिसमें 51.33 की औसत के साथ 308 रन बनाए। इस दौरान एक शतक और एक अर्धशतक शामिल था। वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों में चौथे स्थान पर रहीं। 2 नवंबर को भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 52 रन से जीत दर्ज करते हुए विश्व कप खिताब जीता। टीम को ट्रॉफी उठाते हुए देखकर प्रतिका अपनी भावनाओं को मुश्किल से रोक पाईं। व्हीलचेयर पर जश्न मनाते हुए उन्होंने कहा था, मैं इस खुशी को जाहिर भी नहीं



कर सकती। मेरे पास शब्द नहीं हैं। अपनी टीम के साथ यहां होना अविश्वसनीय है। चोटें खेल का हिस्सा हैं, लेकिन मैं बहुत खुश हूँ कि मैं अभी भी इस टीम का हिस्सा बन सकी। मुझे यह टीम बहुत पसंद है। मैं यह नहीं बता सकती कि खिताब जीतने के बाद कैसा महसूस कर रही हूँ। हम इतने लंबे समय के बाद विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय टीम हैं। पूरा भारत इस जीत का हकदार है। ईमानदारी से कहूँ तो, खेलने से ज्यादा टीम को खेलते देखना मुश्किल था। ह्यह इस बीच ह्यविमेन इन ब्ल्यू ने टी20 विश्व कप 2026 की तैयारी शुरू कर दी है, जो जून में इंग्लैंड में खेला जाएगा। टीम इंडिया रविवार से पांच टी20 मैचों के लिए श्रीलंका की मेजबानी करेगी।

कोल्हरामपुर में असहाय बुजुर्गों व दिव्यांगजनों को सहायक सामग्री का वितरण

नवप्रदेश/अश्वनी कुमार पिट्ट बड़हरा (भोजपुर) बड़हरा प्रखंड क्षेत्र के कोल्हरामपुर गांव में रविवार, 21 दिसंबर 2025 को नवीन शिक्षा निकेतन शह विलांग सेवा आश्रम, ग्राम कोलरामपुर के प्रांगण में असहाय बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों के लिए सामग्री वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवीन शिक्षा निकेतन के सचिव डॉ. विमल कुमार राय ने की। इस अवसर पर चयनित दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के बीच व्हीलचेयर, कमर बेल्ट, घुटना बेल्ट तथा गला बेल्ट का नि-शुल्क वितरण किया गया। यह सहायक सामग्री सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से तथा आसरा भोजपुर के माध्यम से उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. विमल कुमार राय ने कहा कि दिव्यांगजनों और बुजुर्गों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में इस तरह के प्रयास समाज के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि सहायक उपकरणों से जरूरतमंदों के दैनिक जीवन में काफी सहूलियत मिलती है। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया, जिसके बाद समारोह का समापन किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आश्रम के सदस्यों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की सरगनीला भूमिका रही।

सत्याग्रह साहित्य सम्मान से सम्मानित हुए राहुल कुमार

नवप्रदेश/मोतिहारी। खाब फाउंडेशन द्वारा आयोजित सत्याग्रह साहित्य सम्मान 2.0 के तहत पश्चिमी चंपारण के लेखक एवं पत्रकार राहुल कुमार को साहित्य के क्षेत्र में उत्कल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनकी पुस्तक बिहार : एक समीक्षात्मक अध्ययन को सम्मान हेतु चयनित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मोतिहारी में किया गया, जिसके आयोजक लेखक एवं शिक्षक मुन्ना कुमार हैं। इसी समारोह में उनकी पुस्तक हठकलामयवद्ध का विमोचन भी संपन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एएसनयन कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में अग्र विद्यापीठ के मैनेजिंग डायरेक्टर रजौत कुमार शामिल रहे। राहुल कुमार की पुस्तक में बिहार की प्रमुख समस्याओं, उनके कारणों एवं समाधान का तथ्यपरक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। वे पत्रकारिता के क्षेत्र में छह वर्षों का अनुभव रखते हैं और राजनीति व युवा विषयों पर अपने मुखर लेखन के लिए जाने जाते हैं।

नगर निगम क्षेत्र में अलाव की सुविधा गरीब,मजदूर, बुजुर्ग और राहगीरों को कड़क ठंड में जीवन रक्षक सुरक्षा:गरिमा जलाए जा रहे करीब तीन दर्जन चिन्हित और निर्धारित सार्वजनिक स्थानों जलाए जा रहे अलाव के दर्जनभर से अधिक स्थलों का निरीक्षण किया। रिक्शा स्टैंड,सोबा बाबू चौक,पॉवर हाउस चौक,सागर पोखरा सर्किट हाउस, कांतीबाग,कोतवाली चौक,छवनी चौक, स्टेशन चौक, रेलवे स्टेशन, हरिवातिका चौक पिपरा चौक विषयकमां मंदिर चौक आदि का निरीक्षण के बाद बताया कि पूस की कड़क ठंड में शीतलहर का प्रकोप साधनहीन गरीब और मजदूरों के लिए बड़ी आपदा है। ऐसे नगर निगम प्रशासन द्वारा बीते तीन दिन में क्रमवार करीब तीन दर्जन चिन्हित सार्वजनिक स्थानों अलाव की जलवाने से ठंड से लाचार लोगों को केवल आग तापने की सुविधा नहीं, बल्कि उनके लिए यह व्यवस्था जीवन रक्षक सहारा है। इससे गरीब,मजदूर, बुजुर्ग और राहगीरों को ठंड से जीवन रक्षक सुरक्षा मिल रही है। सामूहिक अलाव सामाजिक सहयोग, मानवीय संवेदना और जन-स्वास्थ्य संरक्षण का प्रतीक बनकर कठिन मौसम में राहत पहुंचता है। इस क्रम में महापौर श्रीमती सिकारिया ने कहा कि यह शीतलहर और कड़ाके की ठंड जारी रहने तक संपूर्ण नगर निगम क्षेत्र के चिन्हित सार्वजनिक स्थानों अलाव जलाया जाना जारी रखने का निर्देश उनके स्तर से दिया गया है।

हिजाब प्रकरण पर नीतीश के समर्थन में उतरे मांझी, कहा...मुख्यमंत्री ने कुछ गलत नहीं किया नवप्रदेश/पटना। मांझी ने कहा कि यदि नीतीश 20 साल के युवा होते तो बाद अलग होती, लेकिन वे 74 साल के हैं। उनका आशय केवल इतना था कि जब लुइको डॉक्टर बनेगी और सार्वजनिक रूप से लोगों से मिलेगी, तो उसे चेहरा ढंकने की जरूरत नहीं होगी। सीएम ने कोई गलत बात नहीं कही।

अपराधियों से गिफ्ट लेना पड़ा महंगा, दारोगा पर एसपी ने गिराई गाज नवप्रदेश/निरंकार भास्कर– पटना पुलिस में तैनात दारोगा विनोद कुमार पर गाज गिर गयी है. दारोगा पर बालू माफिया, शराब माफिया और अपराधिक प्रवृति के लोगों से गिफ्ट लेने के आरोप में कारंवाई की गयी है. यह कारंवाई पटना पश्चिमी के एसपी भानु प्रताप सिंह ने की. विभाग में पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है. किसी भी स्तर पर नियमों के उल्लंघन या संप्रतिष आचरण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा . वदीधारी अधिकारियों से अपेक्षित आचरण में किसी भी प्रकार की चुक पर कटौत कदम उठाए जाऐं – भानु प्रताप सिंह, एसपी, पटना पश्चिमी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक लेख प्रसारित किया गया था. लेख और तस्वीर के माध्यम से आरोप लगाया गया था कि तत्कालीन क्रिकम बानाध्यक्ष विनोद कुमार ने अपनी विदाई समारोह के दौरान कुछ व्यक्तियों से उपहार लिए. एसपी के अनुसार ये ऐसे व्यक्ति हैं, जिनका संबंध शराब तस्करी, बालू माफिया और अपराध से अर्जित संपत्ति की जख्ती हेतु भेजे गए प्रस्तावों से था. मामला सामने आने के बाद एसपी ने स्वतः सज्ञान लेते हुए पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच के निर्देश दिए .

शाहिद बने अंतर्राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता में उपविजेता, इस प्रतियोगिता से 50 रेटिंग पॉइंट में बढ़ोतरी हुई है नवप्रदेश/नेपाल के ललितपुर काठमांडू शहर में आयोजित तीसरा वाई चेंयरमैन कप रैंपिड रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता जो 19 और 20 दिसम्बर 2025 को महालक्ष्मी नगर पालिका के द्वारा आयोजित किया जा रहा था। उसमे विलोव 1800 रेटिंग में चंपारण शतरंज अकादेमी के संस्थापक सह प्रशिक्षक शाहिद हुसैन उपविजेता बने हैं। इस प्रतियोगिता में 178 खिलाड़ियों ने भाग लिया जो नव चक्र में 6 पॉइंट बनाकर 19 वा रैंक प्राप्त किया। रेटिंग केन्द्र गैरगरी में दूसरा स्थान मिला। उन्होंने ने 9 चक्र के प्रतियोगिता में पहले चक्र में पहाड़ी केवी से, दूसरे चक्र में सुडेन सौरभ जीत दर्ज किए, तीसरे राउन्ड में मिशन रहल से हार, चौथे चक्र में पूरी प्रशांत से , पांचवे राउन्ड में गंजु दामोदर, छह वे चक्र में हरका बहादुर से जीत,सातवे राउन्ड में कैडिडेट मास्टर्ड कुष्णा थापा से हार, आठवी राउन्ड में लेखराज भट्टराय से जीत दर्ज किए और नव राउन्ड में कैडिडेट मास्टर्ड नाबीन तनदुकर से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें सेंटिफिकेट, मेडल और एक हजार नेपाली कैश प्राइज देकर सम्मानित किया गया। साथ उन्हे इस प्रतियोगिता से 50 रेटिंग पॉइंट्स का बढ़ोतरी हुई हैं अब फ्रीडे रेटिंग 1705 से 1758 पे पहुच जाइयगा। चंपारण शतरंज अकादेमी के संस्थापक सह प्रशिक्षक शाहिद हुसैन को प्रतियोगिता में उपविजेता बनने पर, अकादेमी के निदेशक नवीन जायसवाल, अकादेमी के मुख्य एडमिन अध्यक्ष पंडित गुरुजान जी, शेख मुस्तफा, सूरज, आदि खेल प्रेमियों ने बधाई और शुभकामनाएं दी है।

शोहिद बने अंतर्राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता में उपविजेता, इस प्रतियोगिता से 50 रेटिंग पॉइंट में बढ़ोतरी हुई है नवप्रदेश/नेपाल के ललितपुर काठमांडू शहर में आयोजित तीसरा वाई चेंयरमैन कप रैंपिड रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता जो 19 और 20 दिसम्बर 2025 को महालक्ष्मी नगर पालिका के द्वारा आयोजित किया जा रहा था। उसमे विलोव 1800 रेटिंग में चंपारण शतरंज अकादेमी के संस्थापक सह प्रशिक्षक शाहिद हुसैन उपविजेता बने हैं। इस प्रतियोगिता में 178 खिलाड़ियों ने भाग लिया जो नव चक्र में 6 पॉइंट बनाकर 19 वा रैंक प्राप्त किया। रेटिंग केन्द्र गैरगरी में दूसरा स्थान मिला। उन्होंने ने 9 चक्र के प्रतियोगिता में पहले चक्र में पहाड़ी केवी से, दूसरे चक्र में सुडेन सौरभ जीत दर्ज किए, तीसरे राउन्ड में मिशन रहल से हार, चौथे चक्र में पूरी प्रशांत से , पांचवे राउन्ड में गंजु दामोदर, छह वे चक्र में हरका बहादुर से जीत,सातवे राउन्ड में कैडिडेट मास्टर्ड कुष्णा थापा से हार, आठवी राउन्ड में लेखराज भट्टराय से जीत दर्ज किए और नव राउन्ड में कैडिडेट मास्टर्ड नाबीन तनदुकर से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें सेंटिफिकेट, मेडल और एक हजार नेपाली कैश प्राइज देकर सम्मानित किया गया। साथ उन्हे इस प्रतियोगिता से 50 रेटिंग पॉइंट्स का बढ़ोतरी हुई हैं अब फ्रीडे रेटिंग 1705 से 1758 पे पहुच जाइयगा। चंपारण शतरंज अकादेमी के संस्थापक सह प्रशिक्षक शाहिद हुसैन को प्रतियोगिता में उपविजेता बनने पर, अकादेमी के निदेशक नवीन जायसवाल, अकादेमी के मुख्य एडमिन अध्यक्ष पंडित गुरुजान जी, शेख मुस्तफा, सूरज, आदि खेल प्रेमियों ने बधाई और शुभकामनाएं दी है।

मोतिहारी में फरार अपराधियों पर सख्त कारंवाई, 100 वांछितों पर घोषित हुआ इनाम नवप्रदेश/पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) जिले में अपराध के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कारंवाई की है। जिला अंतर्गत लुट, डकैती, हत्या, रंगरारी, आर्स एट्ट, शराब माफिया एवं भू-माफिया जैसे गंभीर मामलों में वांछित कुल 100 अपराधियों के विरुद्ध इनाम घोषित किया गया है पुलिस अधीक्षक, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के निर्देश पर यह कारंवाई की गई है। पुलिस एच-महानिरीक्षक, चंपारण क्षेत्र, बेतिया द्वारा अनुसुदतवार सूची भेजे जाने के बाद इन वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु इनाम की घोषणा की गई है मौतखतव है कि इससे पूर्व भी जिले के विभिन्न कांडों में फरार कर रहे कुल 378 अपराधियों के विरुद्ध पुरस्कार घोषित किया जा चुका है। 10 दिनों के भीतर आत्मसमर्पण के अल्टरेमेटम पुलिस प्रशासन ने सभी वांछित अपराधियों को 10 दिनों के भीतर माननीय न्यायालय में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। निर्धारित समय सीमा में आत्मसमर्पण नहीं करने की स्थिति में न्यायालय से अपेक्षा प्राप्त कर अपराधियों की संपत्ति कुर्क की जाएगी।

तृतीय जिला स्तरीय वृ्श प्रतियोगिता आयोजित नवप्रदेश/बेतिया/तृतीय पश्चिम चंपारण जिला स्तरीय वृ्श प्रतियोगिता 2025 का आयोजन रविवार को खेल भवन सह व्यायामशाला में किया गया। इसका विधिवत उद्घाटनकर्ता मुख्य अतिथि जिला खेल पदाधिकारी गणेश वर्मा, विशिष्ट अतिथि सब इंस्पेक्टर वेंगेशनाथी, डायरेक्टर जी डी गोयंका पब्लिक स्कूल के श्रद्धा रवि, प्रतीक एडमिन अध्यक्ष पश्चिम चंपारण वृ्श संघ के मुकेश राज प्रधानाध्यापक जीडी गोयंका पब्लिक स्कूल के सुरेंद्र कुमार सिंह सीनियर उपाध्यक्ष राजेश रंजन उपाध्यक्ष दीपेंद्र जैर्जी ,कार्यकारी सदस्य आलोक कुमार ,सचिव विमल चंपारण वृ्श संघ ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के उपरांत सभी मुख्य अतिथियों को संघ के सदस्यों के द्वारा अंग वस्त्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं जीडी गोयंका स्कूल के बच्चों के द्वारा स्वागत ज्ञान भी प्रस्तुत किये गए। साथ ही राष्ट्रीय खिलाड़ी अरशद खान एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी बंसंत कुमार के द्वारा डे मोंसटेरेशन दिया गया। इस प्रतियोगिता के हिट जज के रूप में आलोक कुमार अस्तिस्टेट हेड जज के रूप में शशि भूषण झा,दुर्गा शंकर,शहरयारा गनी, प्लेटफॉर्म रेंफरी अभिषेक कुमार उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता का पहला मैच 32 फीटली भार वर्ग में शौर्य कुमार गिलो मेडल,नोमान अंबर रजत पदक, कार्तिक राज कांस्थ पदक, 52 फीटली भार वर्ग में अरशद खान गोल्ड मेडल देवर्ष कुमार रजत पदक अभिनव आनंद कांस्थ पदक के विजेता रहे।

हेरोइन व ग्रेनेड के साथ पकड़ाया आतंकवादी, पाकिस्तान कनेक्शन आया सामने

नवप्रदेश/निरंकार भास्कर– बिहार में एक आतंकवादी को पकड़ा गया है। पूर्वी चंपारण जिले में रक्सौल बॉर्डर से सना का भगोड़ा व नाकों आतंकी मॉडयूल में शामिल राजबीर सिंह उर्फ फौजी को गिरफ्तार किया गया। हरैया रक्सौल पुलिस व पंजाब स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल की संयुक्त छपेमारी में उसे 18 दिसंबर को कर्टम चौक के पास से

गिरफ्तार किया गया। भगोड़े सेना के जवान के पास से 500 ग्राम हेरोइन व एक हर्ड ग्रेनेड बरमद हुआ है। साथ ही पाकिस्तान स्थित हैडलर से उसका कनेक्शन सामने आया है। पंजाब पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर अपने साथ पंजाब ले गई है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी नेपाल के रास्ते देश से फरार होने के फ़िराक में था। राजबीर ने वर्ष



2011 में सेना ज्वाइन की थी। अमृतसर ग्रामीण के घरनिड़ा थाने में आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत दर्ज जासूसी के मामले में नाम आने के बाद वह फरवरी 2025 से सेना से फरार हो गया था। नेपाल भाग गया था आतंकी राजबीर सिंह आतंकी राजबीर सिंह को लेकर कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि जब राजबीर सिंह के

खिलाफ पंजाब और हरियाणा में केंस दर्ज किया गया था तब वो वहां से नेपाल भाग गया था। नेपाल में ही छिप कर राजबीर पंजाब से नेपाल में नशे की तस्करी करता था। यह भी बताया जा रहा है कि नशे के इसी सौदामरी में उसका पाकिस्तान कनेक्शन उजागर हुआ है। आतंकी राजबीर सिंह उर्फ फौजी की गिरफ्तारी को नाकों आतंकी

बिहार के 24 जिलों में कोल्ड डे का रेलो अलर्ट, उत्तर बिहार में घने कोहरे का कहर

निरंकार भास्कर। बिहार में कड़ाके की ठंड ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। दिन और रात के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। ठंडी हवाओं के साथ वायु प्रदूषण भी लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। मौसम विभाग ने राज्य के 24 जिलों में कोल्ड डे को लेकर रेलो अलर्ट जारी किया है, जबकि कई इलाकों में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर बिहार के पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा,

ठंड से बचने के लिए आग ताप रही दादी और नवजात पोती की दम घुटने से मौत, मां की हालत नाजुक



निरंकार भास्कर– बिहार में शीतलहर कहर बरपा रहा है। ठंड की वजह से लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। गयाजी जिले में ठंड से बचने के लिए आग तापने के दौरान बड़ा हादसा हो गया है। यहां दादी और पोती की मौत दम घुटने से हो गई है। बताया जा रहा है कि गमाजी के दखिनगांव में मां, दादी और पोती ठंड से बचने के लिए और खुद को गर्म रखने के लिए आग ताप रही थीं। बोरसो में आग जलाकर एक बंद कमरे में सभी सो गए थे। सौकी को नींद लग गई और धुंध ने पूरे कमरे को अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान दम घुटने से दादी और पोती की मौत हो गई। मां की हालत भी नाजुक बनावी जा रही है। इस घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

महिला विरोधी हैं लालू, बीजेपी नेता का आरजेडी चीफ पर गंभीर आरोप; मीसा, रोहिणी, तेजस्वी का जिक्रं किया



नवप्रदेश/निरंकार भास्कर– राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रिमी लालू प्रसाद यादव की आंख का दिल्ली में सफल ऑपरेशन किया गया। लालू यादव के अंगों की यह पांवची सर्जरी थी। बेटी मीसा भारती ने दिल्ली के सफ़दरजंग अस्पताल में पिता का ऑपरेशन कराया गया। इस पर सियासत शुरू हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के प्रेस पेंसिलर नीरज कुमार ने लालू यादव पर पितृ सता समर्थक और धटियों (महिलाओं) का विरोधी होने का आरोप लगाया है। उन्होंने रोहिणी आचार्या और मीसा भारती को जिम्मेदार तो तेजस्वी यादव को लापरवाह करार दिया है। नीरज कुमार ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि लालू यादव का जब किडनी का ऑपरेशन हुआ तो बेटी रोहिणी ने अपना जिन्दगी देकर करवाया, आंख का ऑपरेशन हुआ तो बेटी मीसा ने करवाया। लेकिन जब जायदाद या पार्टी

जदयू के सदस्यता अभियान का किया गया शुभारंभ

नवप्रदेश/काराकाट व दिनारा विधानसभा क्षेत्र के हिजामगंज प्रखंड में जनता दल युनाइटेड के ओबरा विधानसभा प्रभारी आनंद रजक, राजपुर विधानसभा प्रभारी अभिषेक पटेल, संदेश विधानसभा प्रभारी राजेश पटीदार ने संयुक्त रूप से शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत पुराने सदस्यों का नवीकरण करने के साथ-साथ नए सदस्यों को पार्टी से जोड़ने की शुरुआत की गई। इस अवसर पर जिला संगठन अंशोक प्रजापति ने बताया कि काराकाट व दिनारा विधानसभा क्षेत्र में पुराने सदस्यों के नवीकरण के साथ साथ 75 हजार (पवहतर हजार) नए सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य पार्टी द्वारा निर्धारित किया गया है। बैठक की शुरुआत जिला संगठन प्रभारी द्वारा प्रखंड अध्यक्षों, पंचायत अध्यक्षों, प्रखंड कमेटी के पदाधिकारियों को प्राथमिक सदस्यता दिलाकर की गई।

चौतरवा पुलिस की बड़ी कारंवाई: हरदी नदवा से चार वारंटी गिरफ्तार, न्यायिक प्रक्रिया के तहत बगहा भेजे गए

नवप्रदेश/क्षितिज राज चौतरवा थाना पुलिस ने शनिवार की देर शाम कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने की दिशा में एक अहम कारंवाई करते हुए हरदी नदवा गांव से चार वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कारंवाई से क्षेत्र में अपराधियों के बीच हड़कंप मच गया है, वहीं आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास और मनजबूत हुआ है।गिरफ्तार वारंटियों की पहचान स्वर्गीय कतवाल चौधरी के 57 वर्षीय पुत्र रमेश चौधरी, सूर्यवली



यादव के 55 वर्षीय पुत्र उद्यो यादव, रामराज यादव के 51 वर्षीय पुत्र कुंदन यादव तथा रामजी मिश्रा के 35 वर्षीय पुत्र श्याम सुशील मिश्रा के रूप में की गई है। सभी गिरफ्तार वारंटी हरदी नदवा,

कर्जनिया परसौनी के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने इन सभी को उनके-उनके घर से विधिसम्मत तरीके से गिरफ्तार किया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन वारंटियों के विरुद्ध न्यायालय से वारंट निर्गत था, जिसके आलोक में चौतरवा थाना पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व स्वयं थानाध्यक्ष राहुल कुमार सिंह ने किया। पुलिस टीम ने सुनियोजित ढंग से कारंवाई करते हुए सभी वारंटियों को बिना किसी अग्रिय घटना के गिरफ्तार कर

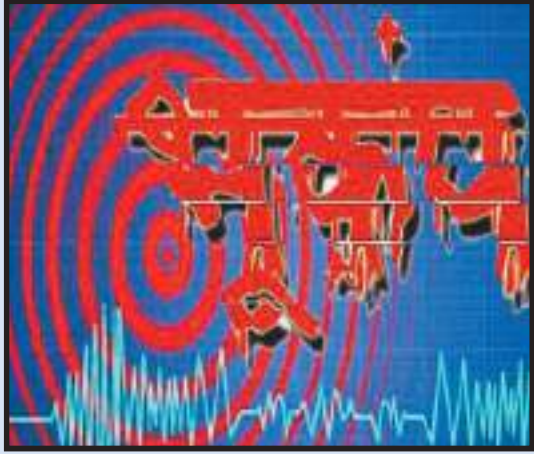
लिया।थानाध्यक्ष राहुल कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से लंबित वारंटों के निष्पादन को लेकर पुलिस गंभीर है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि फरार और वारंटी अभियुक्तों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी सुरत में कानून से बचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस का उद्देश्य अपराध पर प्रभावी निर्वन्धन स्थापित करना और न्यायालय के आदेशों का सख्ती से पालन करना है।गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए रविवार की

दोपहर सभी वारंटियों को बगहा न्यायालय भेज दिया। इस कारंवाई में चौतरवा थाना पुलिस की तत्परता और सक्रियता सराहनीय मानी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की इस तरह की सख्त कारंवाई से अपराधियों में भय और आम नागरिकों में सुरक्षा का एहसास बढ़ा है। पुलिस प्रशासन ने आसजन से अपील की है कि वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।



संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में लगे भूकंप के झटके, डरे लोग घर से भागे



इस्लामाबाद।

आए दिन कहीं न कहीं भूकंप की खबरें आ रही हैं। अब पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत एक बार फिर भूकंप के झटकों से कांप उठा है। रविवार की सुबह खुजदार जिले में आए इस भूकंप ने लोगों के बीच भारी डर पैदा कर दिया। हालांकि रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता केवल 3.3 मापी गई लेकिन इसके झटके बहुत जोरदार महसूस किए गए। नेशनल सिस्मिक मॉनिटरिंग सेंटर (एनएसएमसी) की रिपोर्ट के अनुसार इस भूकंप की तीव्रता 3.3 रही। इसका केंद्र खुजदार शहर से लगभग 70 किलोमीटर पश्चिम दिशा में था। जबकि गहराई जमीन से मात्र 8 किलोमीटर नीचे थी। बता दें कि बलूचिस्तान भौगोलिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील क्षेत्र है क्योंकि यह भारतीय और यूरेशियन टेक्टॉनिक प्लेटों के सक्रिय जंक्शन पर स्थित है। यहाँ लगातार होने वाली हलचल के कारण छोटे और मध्यम स्तर के भूकंप आते रहते हैं। भूकंप के झटके लगते ही खुजदार और आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने घरों और इमारतों से निकलकर खुले मैदानों की ओर भागने लगे। बलूचिस्तान पहले भी विनाशकारी भूकंपों का सामना कर चुका है, इसलिए हल्का झटका भी लोगों को पुरानी यादें से डरा देता है। फिलहाल स्थानीय प्रशासन या आपदा प्रबंधन की ओर से किसी बड़े जान-माल के नुकसान की खबर नहीं मिली है। अधिकारी स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए हैं।

पेशेवर डांसरों को डांस मे मात देते रोबोट

हांगकांग ।

2025 क्रिसमस के अवसर पर टेस्ला कंपनी ने अपने ऐआई से संचालित होने वाले रोबोट को कई अंदाज में मार्केट में उतारा है। टेस्ला प्रमुख एलन मस्क ने एक्स पर चीन फेस्टिवल का एक वीडियो स-झा किया है। इस वीडियो में टेस्ला कंपनी द्वारा तैयार रोबोट पेशेवर डांसरों के साथ डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। हांगकांग में एआई आर्ट फेस्टिवल आयोजित किया गया है। इस फेस्टिवल में कला, तकनीकी और भविष्य के विभिन्न कार्यों में रोबोट का उपयोग किस तरह से होगा। इस तरह के कई रोबोट पेश किये हैं। यह रोबोट बड़ी दक्षता के साथ विभिन्न कार्यों को संचालित कर रहे हैं। इस आर्ट फे-स्टिवल में रोबोट पियानो और अन्य वाद्य यंत्र बजाते हुए नजर आ रहे हैं। सबसे आश्चर्य की बात यह है। रोबोट पेशेवर डांसरों के साथ उन्हीं के अंदाज में उनसे बेहतर डांस करते हुए दिख रहे हैं। एलन मस्क ने भविष्य में रोबोट किस तरह से काम करेंगे,इसकी तस्वीर को आर्ट फेस्टिवल में साझा किया है। जिसकी चर्चा सारी दुनिया के देशों में हो रही है। भविष्य में किस तरह से रोबोट मानवीय कामकाज मे अपनी जगह बनाएंगे। इसका बेहतर प्रदर्शन किया है।

पाकिस्तान की फ्लाइट में अचानक खुले ऑक्सीजन मास्क, हड़कंप मचने पर करानी पड़ी आपात लैंडिंग



लाहौर,।

पाकिस्तान की एक फ्लाइट में अचानक ऑक्सीजन माँस्क खुलकर गिरने लगे। इसे देखकर यात्रियों में दहशत फैल गई और ह-ड़कंप मच गया। जब हालात नहीं संभले तो विमान की आपात लैंडिंग सऊदी अरब में कराना पड़ी।जद्दा से लाहौर जा रही पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाईस (पीआईईए) की एक फ्लाइट में तकनीकी खराबी का अलर्ट मिला। इस घटना से विमान में सवार यात्रियों में भारी दहशत फैल गई। पीआईईए के प्रवक्ता के मुताबिक, फ्लाइट पीके-860 तय कार्यक्रम के अनुसार रात 8 बजे लाहौर पहुंचने वाली थी, लेकिन तकनीकी समस्या सामने आने के बाद विमान को दमाम स्थित किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया गया। विमान में 381 यात्री सवार थे, जिनमें बड़ी संख्या में उमराह जायरीन भी शामिल थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, तकनीकी अलर्ट के बाद विमान में ऑक्सीजन मास्क अपने आप गिर गए, जिससे यात्रियों में घबराहट और अफरातफरी मच गई। हालांकि, पायलट और क्रू ने स्थिति को संभालते हुए सुरक्षित लैंडिंग कराई। रिपोर्ट में यह भी याद दिलाया गया कि पिछले महीने पीआईईए की एक अन्य फ्लाइट पीके-859 (लाहौर से जेद्दा) को भी उड़ान के दौरान डायवर्ट कर कराची एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा था, क्योंकि फर्स्ट ऑफिसर की विंडशील्ड में दरार आ गई थी। इतना ही नहीं, इस साल मार्च में पीआईईए की एक धरलू फ्लाइट पीके-306 लाहौर में उस हालत में उतरी थी, जब उसके लैंडिंग गियर का एक पहिया गायब पाया गया। हैरानी की बात यह रही कि जांच के बावजूद उस पहिए का कोई सुराग नहीं मिला। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने पीआईईए की तकनीकी देखरेख और यात्री सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एपस्टीन फाइल्स: अमेरिकी राजनीति में बिल क्लिंटन और ट्रंप को लेकर छिड़ा घमासान

वॉशिंगटन।

जेफ्री एपस्टीन मामले से जुड़ी फाइलों के नए खुलासे ने अमेरिकी राजनीतिक गलियारों में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। इन दस्तावेजों के सार्वजनिक होने के बाद पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की कुछ विवादित तस्वीरें सामने आई हैं, जबकि दूसरी ओर वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम इन फाइलों से नदारद है। इस विषमता ने न केवल राजनीतिक बहस को जन्म दिया है, बल्कि व्हाइट हाउस के इरादों पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बिल क्लिंटन की टीम ने मौजूदा प्रशासन पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया है कि पूर्व राष्ट्रपति को जानबूझकर बलि का बकरा बनाया जा रहा है ताकि उन महत्वपूर्ण जानकारियों से जनता का ध्यान भटकाया जा सके, जिन्हें प्रशासन छिपाना चाहता है। सोशल मीडिया पर जारी एक आधिकारिक बयान में क्लिंटन के प्रवक्ता ने

स्पष्ट किया कि व्हाइट हाउस महीनों तक इन फाइलों को रोक रहा, और अब 20 साल पुरानी धुंधली तस्वीरों को जारी करना केवल एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। प्रवक्ता के अनुसार, यह मामला कभी भी बिल क्लिंटन के इर्द-गिर्द नहीं था, बल्कि प्रशासन उस सच को दबाने की कोशिश कर रहा है जिससे वह खुद डरा हुआ है। क्लिंटन पक्ष ने मौजूदा व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ सूजी वाइल्स के पुराने बयानों का भी हवाला दिया, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया था कि ट्रंप के दावों के बावजूद इस बात के कोई सबूत नहीं मिले कि क्लिंटन कभी एपस्टीन के निजी कैरेबियन द्वीप पर गए थे। क्लिंटन की ओर से यह तर्क दिया गया है कि एपस्टीन के साथ उनके संबंध केवल तब तक थे जब तक उसके अपराधों का खुलासा नहीं हुआ था। 2005 में सच्चाई सामने आते ही उन्होंने एपस्टीन से दूरी बना ली थी। उनके समर्थकों का मानना है कि इस मामले में दो



तरह के लोग शामिल हैं—एक वे जिन्हें कुछ पता नहीं था और सच जानते ही अलग हो गए, और दूसरे वे जो सब जानते हुए भी संबंधों को आगे बढ़ाते रहे। क्लिंटन पक्ष का दावा है कि वे पहले समूह का हिस्सा हैं।दूसरी ओर, न्याय विभाग द्वारा जारी की गई इन तीन लाख पेजों की फाइलों पर ट्रंप के विरोधियों ने संदेह जताया है। उनका आरोप है कि ट्रंप प्रशासन ने केवल चुनिंदा दस्तावेजों को ही सार्वजनिक किया है और उन हिस्सों को जानबूझकर रोक लिया है जिनमें खुद राष्ट्रपति ट्रंप का नाम शामिल हो सकता था। हालांकि विभाग का कहना है कि जांच अभी जारी है और पीड़ितों की गोपनीयता बनाए रखने के लिए कुछ हिस्सों को संपादित किया गया है, लेकिन विरोधियों का तर्क है कि इसी संपादन की आड़ में राष्ट्रपति के नाम को फाइलों से मिटाया गया है। यह पूरा घटनाक्रम आने वाले समय में अमेरिकी लोकतंत्र और चुनावी राजनीति में एक बड़े टकराव का संकेत दे रहा है।

ढाका में दीपू को पहले मारा फिर जलाया, किसी धर्म के खिलाफ नहीं बोला फिर भी मार दिया

ढाका,।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार थमने का नाम नहीं ले रहा है। यहां यूनूस का विरोध के बहाने आए दिन सरेराह अल्पसंख्यकों का कत्ल किया जा रहा है। बांग्लादेश की अंतरिम स-रकार चुप्पी साधे मौत को तमाशा समझकर देख रही है। हाल में ही दीपू को पहले मारा गया फिर अधमरा कर उसे पेड़ से लटक-ाकर जलाया गया। जबकि उसने किसी भी धर्म के खिलाफ एक भी शब्द नहीं बोला था। इसके बाद भी उसे मार दिया गया। हादी की मौत के बाद प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग है कि उनके हत्यारों को तुरंत सजा दी जाए। इसके साथ ही गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल सेवानिवृत्त एमडी जहांगीर आलम चौधरी के इस्तीफे की मांग भी तेज हो गई है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि हादी को गोली मारे जाने के एक हफ्ते बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। इंकलाब मंच संगठन के सचिव अब्दुल्ला अल जाबेर ने सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि



अगर गृह सलाहकार ने इस्तीफा नहीं दिया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। जनाजे के बाद बड़ी संख्या में लोग शाहबाग चौराहे की ओर बढ़े, जहां इंकिलाब जंदाबाद और ढाका ढाका जैसे नारे लगाए गए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने शाहबाग का नाम बदलकर हादी चतर रखने की मांग भी की। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल पुथल थमने का नाम नहीं ले रही है। जुलाई 2024 के आंदोलन के प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद देश में लगातार तीसरे दिन शनिवार को

भी विरोध प्रदर्शन जारी रहे। ढाका में कड़ी सुरक्षा के बीच हादी का जनाजा पढ़ा गया, लेकिन इसके साथ ही सड़कों पर गुस्सा और असंतोष साफ दिखाई दिया। शनिवार को मणिंक मिया एवेन्यू, जो संसद भवन के पास स्थित है, वहां हादी की जनाजे की नमाज में देशभर से आए हजारों लोग शामिल हुए। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने भारी सुरक्षा इंतजाम किए थे। करीब 1000 बॉडी वॉर्न कैमरों के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा ताकि किसी भी हालात को काबू में रखा जा सके।

बांग्लादेश में फंसी यूनूस की गर्दन, उधर पाकिस्तान में मुनीर बेबस, मचा हाहाकार

ढाका।

पड़ोसी देशों बांग्लादेश और पाकिस्तान में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। बांग्लादेश में उस्मान हादी की हत्या के बाद से हिंसा और अराजकता चरम पर पहुंच गई है। अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनूस अब स्थिति को नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं। पूरे शहर में हत्या, लूटपाट, आगजनी और लूटिचिंग की घटनाएं हो रही हैं, खासकर अल्पसंख्यक समुदायों की निशाना बनाया जा रहा है। हादी की मौत के बाद ढाका में प्रदर्शन तेज हो गए, हिंसा फैल गई और प्रशासन को भीड़ पर नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाने पड़े। वहीं पाकिस्तान में भी हालात भयावह हैं। खैबर पखूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में तहर्-ीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (ट-टीपी) ने सुरक्षा बलों पर बड़ा



हमला किया। आतंकियों ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी के जरिए सेना कैंप की बाहरी दीवार तोड़ने की कोशिश की। सुरक्षाबलों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई करते हुए चार

आतंकियों को मार गिराया, लेकिन इस हमले में चार पाकिस्तानी सैनिक भी शहीद हो गए। धमाके से पास की मस्जिद और कई रिहायशी मकानों को नुकसान पहुंचा और 15

आम लोग, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे, घायल हुए। पाकिस्तानी सेना ने आरोप लगाया कि यह हमला अफगानिस्तान की जमीन से निर्देशित था। उन्होंने अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की और कहा कि उनकी जमीन का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए नहीं होना चा-हिए। घटना के बाद पाकिस्तान ने अफगान डिप्टी हेड ऑफ मिशन को विदेश मंत्रालय तलब किया और कड़ा विरोध जताया। दोनों पड़ोसी देशों में यह घटनाएं यह दिखाती हैं कि सुरक्षा और प्रश-सनिक चुनौती कितनी गंभीर है। बांग्लादेश में अराजकता और पाकिस्तान में सीमा पार से निर्देशित आतंक हमलों ने दोनों देशों की जनता और सरकारों के लिए चिंता बढ़ा दी है। इन हालातों ने क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गाजा में शांति तभी संभव जब हमारा भविष्य में इजराइल पर हमला नहीं करे

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बयान से तो यही जा रहा संदेश

वाशिंगटन ।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दो टूक कहा कि गाजा में स्थायी और टिकाऊ शांति तभी होगी है, जब हमारा को भविष्य में इजरायल पर हमला करने की क्षमता से पूरी तरह वंचित कर दिया जाए। रुबियो ने कहा कि शांति प्रयासों का केंद्र बिंदु हमारा का निरस्त्रीकरण होना चाहिए। रुबियो ने कहा, आप ऐसी स्थिति में शांति की कल्पना नहीं कर सकते, जहां हमारा भविष्य में इजरायल को धमकी दे। इसलिए निरस्त्रीकरण बेहद जरूरी है। हालांकि उन्होंने बातचीत या संभावित समझौतों के विस्तृत व्यौरा देने से इंकार किया, लेकिन यह स्पष्ट किया कि किसी भी समझौते की बुनियाद यही सिद्धांत होगा। उन्होंने गाजा के पुनर्निर्माण को लेकर भी कड़ा रुख अपनाया। रुबियो ने कहा कि जब तक सुरक्षा



की ठोस गारंटी नहीं होगी, तब तक कोई भी देश या निवेशक गाजा में पैसा लगाने को तैयार नहीं होगा। अगर लोगों को लगे कि दो-तीन साल में

फिर से युद्ध हो जाएगा, तब कोई भी वहां निवेश नहीं करेगा। अमेरिकी विदेश मंत्री ने चेतावनी देकर कहा कि अगर भविष्य में हमारा फिर से रा-केट दागता है, इजरायली नागरिकों की हत्या करता है, या 7 अक्टूबर जैसे किसी बड़े आतंकी हमले को अंजाम देता है, तब शांति की सारी कोशिशें नाकाम हो जाएंगी। रुबियो ने कहा कि निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया के लिए सभी पक्षों की सहमति जरूरी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें हमारा की सहमति के साथ-साथ इजरायल की सहमति भी आवश्यक होगी, तभी कोई व्यवस्था काम कर पाएगी। गौरतलब है कि गाजा में मौजूदा युद्ध की शुरूआत हमारा के 7 अक्टूबर 2023 के हमले के बाद हुई थी, जिसमें करीब 1,200 लोग मारे गए थे। इसके बाद इजरायल ने गाजा में व्यापक सैन्य अभियान चलाया।

वॉशिंगटन,।

अमेरिका में इमिग्रेशन नियमों में सख्ती के बीच भारतीय यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि किसी विदेशी यात्री की अमेरिका में ठहरने की अवधि वीजा की समाप्ति तिथि से निर्धारित नहीं होती। यह निर्णय प्रवेश के समय कस्टम एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीबीपी) अधिकारी द्वारा लिया जाता है। दूतावास ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर स्पष्ट किया कि अमे-रिका में ठहराव की अवधि सीबीपी अधिकारी तय करते हैं और इसका वीजा एक्सपायरी से कोई संबंध नहीं है। ठहराव की सटीक अवधि जानने के लिए आई-94 फॉर्म की जांच जरूरी है, जिसमें अनुमति की अंतिम तिथि दर्ज होती है। यह फॉर्म सभी गैर-प्रवासी यात्रियों के लिए अनिवार्य है, जिसमें ठहराव की अनुमति की तिथि (एडमिट अटिल डेट) दर्ज की जाती है। यह तिथि वीजा की समाप्ति तिथि से अलग हो सकती है। हवाई या समुद्री मार्ग से आने वाले यात्रियों को इलेक्ट्रॉनिक आई-94 फॉर्म स्वचालित रूप से जारी किया जाता है और इसके लिए अलग से



आवेदन की आवश्यकता नहीं होती। वहीं, स्थल मार्ग से प्रवेश करने वालों को आई-94 के लिए आवेदन करना पड़ता है। बॉर्डर पर समय बचाने के लिए आधिकारिक वेबसाइट से पहले से आवेदन किया जा सकता है। अमेरिकी नागरिकों, स्थायी निवासियों, इमिग्रेंट वीजा धा-रकों और अधिकांश कनाडाई यात्रियों को इस फॉर्म से छूट है। हाल ही में इमिग्रेशन नियमों में क-ड़ी निगरानी के तहत यह सलाह जारी की गई है कि यात्री अपनी

अनुमति अवधि का सख्ती से पालन करें। दो महीने पहले भी इसी तरह की एडवाइजरी जारी की गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा हाल में 19 देशों के यात्रियों पर यात्रा प्रतिबंध लगाया गया है, जिसमें अफगानिस्तान और सीरिया जैसे देश शामिल हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा से पहले सभी नियमों की जांच करें और ओवरस्टे से बचें, क्योंकि इससे भविष्य में प्रवेश पर प्रतिबंध लग सकता है।

बॉडी बीच शूटिंग के बाद ऑस्ट्रेलिया में बंदूकों की संख्या कम करने के लिए एक योजना शुरू कैनबरा,।

सिडनी में बॉडी बीच पर यहूदियों पर हुए हमले के बाद ऑस्ट्रेलिया में कानून बदलने को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने ऐलान किया कि बॉडी बीच शूटिंग के बाद बंदूकों की संख्या कम करने के लिए एक योजना शुरू की जाएगी। पीएम अल्बनीज ने कहा कि संघीय सरकार सरप्लस, नए प्रतिबंधित और गैरकानूनी हथियारों को खरीदने और नष्ट करने के लिए एक नेशनल बायबैक शुरू करेगी। अभी ऑस्ट्रेलिया में 40 लाख से ज्यादा हथियार हैं, जो पोर्ट आर्थर हत्याकांड के समय की संख्या से ज्यादा हैं। बायबैक के तहत कलेक्शन, प्रोसेसिंग और पेमेंट के लिए ऑस्ट्रेलिया के राज्य और इलाके जिम्मेदार होगा और सरेंडर किए गए हथियारों को नष्ट करने की जिम्मेदा-री ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस की होगी। दरअसल 1996 में तस्मानिया के आइलैंड स्टेट के पोर्ट आर्थर नरसंहार में 35 लोगों की हत्या कर दी गई थी। साथ ही लगभग 37 लोग घायल हुए थे। इस जानलेवा फायरिंग के बाद एक नए कानून को लाया गया, इस कानून को गन बायबैक कहा जाता है। इसके तहत भारी संख्या में लोगों से हथियार वापस लेकर नष्ट कर दिए गए थे। नेशनल बायबैक भी इसी तर्ज पर होगा। ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस स्कीम से लाखों हथियार इकट्ठा किए जाएंगे और नष्ट किए जाएंगे। इस बीच पुलिस ने बताया कि सिडनी के बॉडी बीच पर हुई मास शूटिंग में शामिल दो हथियारबंद लोगों में से एक, साजिद अक़रम असल में हैदराबाद का रहने वाला है, लेकिन 1998 में ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद से उसका परिवार से कम ही संपर्क था।

बलूचिस्तान में दहशत का माहौल, अचानक गायब हो रहीं महिलाएं

करांची,।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत से लगातार डराने वाली खबरें सामने आ रही हैं। लंबे समय से जबरन गायब किए जाने के मामलों के लिए चर्चा में रहे इस इलाके में अब महिलाओं को भी निशाना बनाया जा रहा है। मानवाधिकार परिषद बलूचिस्तान ने प्रांत में महिलाओं के जबरन गायब होने की बढ़ती घटनाओं पर गहरी चिंता जताई है। संगठन का कहना है कि यह दमन का एक नया और खतरनाक रूप है, जो हालात को और गंभीर बना रहा है। मानवाधिकार परिषद के अनुसार, वर्ष 2025 में अब तक बलूच महिलाओं को जबरन गायब करने के कम से कम नौ मामले सामने आ चुके हैं। इनमें छात्राएं, स्वास्थ्यकर्मी, घरेलू कामकाज करने वाली महिलाएं और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हैं। आरोप है कि सुरक्षा बल अक्सर रात के अंधेरे में घरों पर छापे मारते हैं और बहाने से महिलाओं को उठाकर ले जाते हैं। कई मामलों में पीड़िताओं को बार-बार गायब किया गया, उन्हें मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा और कम से कम एक मामले में हिरासत के दौरान मौत की भी बात सामने आई है। संगठन का कहना है कि यह कोई नई कहानी नहीं है। पिछले दो दशकों से बलूच पुरुषों को जबरन गायब करने और गैर-कानूनी हत्याओं के आरोप लगते रहे हैं। हजारों पुरुष, जिनमें बच्चे, युवा और बुजुर्ग तक शामिल हैं, या तो लापता कर दिए गए या फिर तथाकथित हॉकिल एंड डंपहू नीति के शिकार बने।